दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 205
मुरादाबाद
(Monday)
17 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ओम क्रांति..., रामभद्राचार्य बोले- दिल्ली से कश्मीर तक निकाली जाएगी अगली यात्रा

सनातन एकता पदयात्रा मथुरा में अपने अंतिम पड़ाव की ओर रवाना हो चुकी है। पदयात्रा का वृंदावन पहुंचने पर रविवार को समापन होगा। इस दौरान मथुरा में रूट डायवर्जन भी किया गया है। छटीकरा मार्ग पर वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।किसी के चेहरे पर नजर नहीं आ रही थकान पदयात्रा में शामिल लोगों में से किसी के चेहरे पर थकान और सिकन नजर नहीं आ रही थी। हर कोई बागेश्वर बालाजी के जयकारे, जय श्रीराम के नारे लगाता हुआ नजर आ रहा था। दिल्ली से पदयात्रा में शामिल हुए रमेश ने बताया कि वह अपने पूरे परिवार संग यात्रा में शामिल हैं। वहीं मध्य प्रदेश से एक पुलिसकर्मी पांच दिन की छुट्टी लेकर पदयात्रा में शामिल होने के बाद अपने पूरे परिवार संग आए हैं। राजस्थान के भरत ने बताया कि सनातन यात्रा में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।अब दिल्ली से कश्मीर तक निकाली जाएगी यात्रा- रामभद्राचार्य - सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा के अंतिम पड़ाव पर मंच से जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि अब ओम शांति बंद करो, ओम क्रांति क्रांति क्रांति शुरू करो। प्रत्येक हिन्दू कन्या झांसी की रानी बनेगी। प्रत्येक हिन्दू घर में तुलसी व द्वार पर गाय रखे। एक गाय के दर्शन से 99 करोड़ देवी देवताओं के दर्शन होते हैं। आगामी समय में दिल्ली से कश्मीर तक यात्रा की जाएगी। जिसमें वह स्वयं पूरे समय उपस्थित रहेंगे। कश्मीर को एक बार फिर से भारत का स्वर्ग बनाएंगे। प्रत्येक हिन्दू हनुमान चालीसा का पाठ करे। नारी का सम्मान करें। नारी नर्क की खाई नहीं हो सकती। चारधाम मंदिर पर पहुंची यात्रा जैंत के राधगोविंद मंदिर से पदयात्रा रविवार को छटीकरा स्थित चारधाम मंदिर पर पहुंच गई। यहां पदयात्रा का भव्य तरीके से स्वागत किया गया। यहां जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज को लेकर पंडित धीरेंद्र शास्त्री मंच पर पहुंचे। काशी के ब्राह्मणों ने संतों की आरती उतारी। खड़ा रह गया हेलीकॉप्टर, नहीं हो सकी थी पुष्प वर्षा सनातन एकता पदयात्रा का स्वागत के लिए घंटों इंतजार करने के बाद भक्तों को निराशा मिली। जैंत क्षेत्र में पदयात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने से रोक दिया गया। भक्तों का दावा है कि अधिकारियों ने पहले अनुमति दी, लेकिन स्वागत के दौरान मना कर दिया। पदयात्रा में शामिल होने के लिए मथुरा पहुंचे हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने बताया कि उन्होंने व उनके साथियों ने जैंत क्षेत्र में पदयात्रा स्वागत के लिए विभिन्न इंतजाम किए थे। आसमान से पुष्पवर्षा करने के लिए 50 हजार रुपये में हेलीकॉप्टर बुक किया था। इसके साथ ही जैंत क्षेत्र में हेलीपैड भी बनवाया था। शनिवार दोपहर को जैसे ही पदयात्रा जैंत क्षेत्र में पहुंची, उसी समय भक्त हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की तैयारी करने लगे। वहीं मौजूद अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने से रोक दिया। एसएसपी श्लोक कुमार का कहना है कि हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की कोई पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। पदयात्रा में भीड़ अधिक थी, इस लिए पुष्पवर्षा से रोका गया।रूट डायवर्जन होने से छाता में लगा जाम, हाइवे पर भी लगी वाहनों की कतार- सनातन एकता पदयात्रा के चलते मथुरा में रूट डायवर्जन लागू किया गया है। छाता कस्बे के गोवर्धन चौराहे, बरसाना चौराहे , पुरानी पुलिस चौकी सहित विभिन्न मार्गो पर रूट डायवर्जन होने की वजह से जाम लगा हुआ है। इससे आवागमन में लोगों को दिक्कत हो रही है। छाता में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 स्थित पुरानी पुलिस चौकी से मथुरा की ओर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। इसके चलते सुबह से हाइवे पर लंबी कतार लगी हुई है। लोगों को आवागमन में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के नेतृत्व में चल रही सनातन एकता यात्रा के वृंदावन आने पर रविवार को समापन होगा। इससे पहले पुलिस प्रशासन ने नगर में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी। छटीकरा पर सभी प्रकार के वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा। नगर में ई रिक्शा नहीं चलेंगे। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने नगर के सभी प्रवेश मार्गों बैरियर लगा दिए हैं। रूट डायवर्जन लागू कर दिया है। जैंत के राधगोविंद मंदिर से पदयात्रा रविवार को छटीकरा स्थित चारधाम मंदिर के लिए रवाना हो चुकी है। इस दौरान पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि आज पदयात्रा का विश्राम दिन है। जो भी सनातनी पदयात्रा में चल रहे हैं। जागो और जगाओ, भारत को बचाओ, अपनी संस्कृति को बचाओ। उसका एक ही उपाय है, जात पात की करो विदाई, हम सब हिन्दू एक हों। वहीं, चार धाम मंदिर पर यात्रा के स्वागत के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। संतों के आगमन पर मंच पर आरती उतारी जाएगी। सनातन एकता यात्रा रविवार को छटीकरा से वृंदावन आएगी। इसे लेकर पुलिस प्रशासन ने वृंदावन-छटीकरा मार्ग पर रविवार सुबह से ही सभी प्रकार के वाहन संचालन पर रोक लगा दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 की ओर से वृंदावन आने वाले वाहनों को छटीकरा तिराहे पर ही रोक दिया जाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे की ओर से वृंदावन आने वाले वाहनों को वृंदावन कट और पानीगांव तिराहा पर रोक दिया जाएगा। वाहनों को यहां बनी स्थायी और अस्थायी पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। इससे पहले शनिवार को ही नगर में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। मथुरा से आने वाले वाहनों को आईटीआई कॉलेज एवं सौ शैय्या अस्पताल तिराहा पर रोका गया। यमुना एक्सप्रेस की ओर से आने वाले वाहनों को पानीगांव लिंक रोड स्थित एमवीडीए पार्किंग पर रोक दिया गया। सीओ सदर संदीप सिंह ने बताया कि सनातन एकता यात्रा के वृंदावन में आने के दृष्टिगत छटीकरा मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों के संचालन पर प्रतिबंधित कर दिया है। एक दिन पहले शनिवार से ही नगर में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके लिए सभी प्रवेश मार्गों एवं डायवर्ट पॉइंटों पर बैरियर लगाकर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जलवायु जिम्मेदारी निभाते हुए विकास कर रहा भारत, यूएनडीपी प्रमुख बोले- दुनिया को सीखना चाहिए

यूएनडीपी प्रमुख ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि तेज विकास को लोगों, विशेष रूप से ऐतिहासिक रूप से पिछड़े लोगों में सोच-समझकर किए गए निवेश से जोड़ा जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत ने ये दिखाया है कि आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि समतापूर्ण विश्व बनाने के लिए दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है। यूएनडीपी के कार्यवाहक प्रशासक हाओलियांग शू ने कहा कि भारत के विकास की कहानी न केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि प्रौद्योगिकी और सहभागी शासन साथ-साथ चल सकते हैं।दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत%- शू ने कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने का एक उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह विकास कर रहा है जो आर्थिक रूप से मजबूद्य और जलवायु-उत्तरदायी दोनों हों। डिजिटलीकरण और जलवायु कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए हाओलियांग शू भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं।

सीएम ने की आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा, बोले- स्टार्टअप कल्चर और आईटी निवेश को मिलेगी नई रफ्तार

सीएम योगी ने आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस मौके पर सीएम ने कहा कि नई नीति से यूपी में स्टार्टअप कल्चर और आईटी निवेश को नई रफ्तार मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में तेजी से विकसित हो रही स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती देने के लिए प्रशिक्षण से लेकर मार्केट लिंकेज तक सभी जरूरतों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। शनिवार को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नई तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए आईटी और आईटीईएस सेक्टर में प्रायोगिक प्रशिक्षण मॉडल विकसित किए जाएंगे। इयान रियलिटी जैसी संस्थाओं के साथ सहयोग बढ़ाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने निवेशकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध अनुमति व्यवस्था प्रदान किए जाने पर ज़ोर देते हुए स्पष्ट कहा कि पात्र निवेशकों को इंसेंटिव के लिए प्रतीक्षा न करनी पड़े। इस संबंध में विभागीय स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करने के आदेश दिए गए।उन्होंने बताया कि स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अब इन क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शीर्ष श्रेणी में शामिल होना है। उन्होंने यह भी बताया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक परियोजना स्वीकृत हो चुकी है, जबकि दो नई परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से सतत संवाद चल रहा है। इनिक उत्पादों का निर्यात जहां 3,862 करोड़ था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 44,744 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में आईटी निर्यात भी 55,711 करोड़ से बढ़कर 82,055 करोड़ हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति 2020 के अंतर्गत अब तक 67 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 15,477 करोड़ के निवेश और 1,48,710 संभावित रोजगार शामिल हैं। इनमें से 430 करोड़ की प्रोत्साहन धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है और मार्च 2026 तक 25 और प्रस्ताव आगे बढ़ने की संभावना है। डाटा सेंटर नीति के अंतर्गत हीरानंदानी समूह, एनटीटी ग्लोबल, वेब वर्क्स, अदाणी एंटरप्राइजेज और एसटी टेलीमीडिया जैसी कंपनियों द्वारा 21,342 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव दिए गए हैं। इनसे तकरीबन 10 हजार नए रोजगार सृजित होंगे। स्टार्टअप नीति के अंतर्गत भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में जहां 274 लाख की प्रोत्साहन राशि जारी की गई थी, वहीं जनवरी 2025 तक यह बढ़कर 2,600 लाख तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप फंड के प्रभावी उपयोग और उसकी मॉनिटरिंग प्रणाली को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने उभरती तकनीकों में रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा आरोप, अमित शाह के होटल से बुलाकर ऑब्जर्वर से कराया बिहार चुनाव में खेल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि बिहार चुनाव के दौरान वे और अमित शाह एक ही होटल में थे। अमित शाह के होटल से गुजरात के ऑब्जर्वर को बुलाकर खेल कराया गया। इसकी जांच होनी चाहिए। 65 लाख वोट भी काट दिए गए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बिहार चुनाव को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर संगठित वोट चोरी का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिहार में 65 लाख वोट काटे गए और जिस होटल में वह रुके थे, उसी की दूसरी विंग में अमित शाह ठहरे थे, जहां से गुजरात के ऑब्जर्वर को बुलाकर पूरा खेल कराया गया।बड़ौत में दिल्ली रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान अजय राय ने कहा कि लोकतंत्र पर खुला हमला हो रहा है। थानों, ब्लॉक और बिजली विभाग में दलाली चल रही है, फर्जी मुकदमे दर्ज कर जनता को परेशान किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि दिल्ली से लेकर पुलवामा, उरी और पठानकोट तक हुए हमलों में सरकार आज तक यह नहीं बता पाई कि आरडीएक्स कहां से आया, जबकि यूपी के कई जवान शहीद हुए, परिवारों को मदद तक नहीं मिली। किसानों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 400 रुपये का गन्ना भाव सिर्फ दिखावा है, भुगतान रुका है और किसान परेशान हैं। सोनभद्र हादसे पर अजय राय ने कहा कि अवैध खनन की जिम्मेदारी सरकार की है, क्योंकि मुख्यमंत्री मौके पर मौजूद थे। उन्होंने मृतक परिवारों को एक करोड़ रुपये और सरकारी नौकरी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि 2027 चुनाव की तैयारी जारी है, लेकिन लोकतंत्र बचाना है तो जनता को हमारे साथ खड़ा होना पड़ेगा।

बच्चियों ने वर्कशॉप की कमाई बाढ़ पीड़ितों को दान की, सीएम भगवंत मान ने की सराहना

एक ऐसी उम्र जिसमें जहां बच्चे खिलौनों और मिठाइयों के सपने देखते है, अमृतसर की दो छोटी बच्चियों ने अलग सपने देखने का फैसला किया। सिर्फ 7 साल की मोक्ष सोई और 6 साल की श्रीनिका शर्मा ने जन्मदिन के तोहफे या नई गुड़िया नहीं मांगीं। इसके बजाय, उनके छोटे-छोटे हाथों ने क्रोशिया की सुइयों से अथक मेहनत की, धागे ही नहीं बल्कि उम्मीद बुनी। उनकी प्रदर्शनी का नाम था क्रोशिए ऑफ काइंडनेस (दयालुता की बुनाई)। यह कला दिखाने के लिए नहीं थी, बल्कि इंसानियत दिखाने के लिए थी। उनके द्वारा बनाई गई हर रंगीन चीज में उनके मासूम दिलों की गर्माहट थी। और जब प्रदर्शनी खत्म हुई, तो इन दोनों फरिश्तों ने कुछ ऐसा किया जो बड़ों को भी एहसास करवा गया के समाज को ऐसी संवेदना की बहुत जरूरत है। उन्होंने पंजाब की बाढ़ पीड़ितों के लिए अपनी कमाई का एक-एक पैसा दान कर दिया।मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन अद्भुत बच्चियों से मुलाकात की और उनकी आंखों में वो खुशी दिखी की जो वो अपने लोगों को समझाना चाहते है लोग उसे समझ रहे है। उन्होंने इनके निस्वार्थ कदम की सराहना करते हुए कहा कि ये पंजाब की असली भावना की दूत है। उन्होंने कहा, जब इतने छोटे बच्चे दूसरों का दर्द समझते है और कुछ करते है, तो वे हमें सिखाते है मतलब क्या है। उन्होंने कहा और दोनों बच्चियों को आशीर्वाद दिया।यह दिल छू लेने वाला काम मिशन चढ़दीकला का हिस्सा है। पंजाब का फिर से उठने का संकल्प, भयंकर बाढ़ के बाद जिसने हजारों लोगों को बेघर और दुखी कर दिया। जब बड़े लोग बहस और देरी में लगे थे, मोक्ष और श्रीनिका ने बस काम किया। उन्होंने दुख देखा और प्यार से जवाब दिया। जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे नुकसान को समझ भी नहीं पाते, इन दोनों ने वह सब समझ लिया

संपादकीय Editorial

Terrorism has deep roots, shocking facts are emerging.

Following the car bombing near the Red Fort in Delhi, a Faridabad terrorist module was exposed. The plot was to carry out a 26/11-like attack, for which weapons and explosives were stockpiled. The role of Al Falah University is suspected, as it employed several Kashmiri doctors. Terrorist plot near the Red Fort exposed: Faridabad module wanted a 26/11-like attack. The role of Al Falah University is suspected. Following the car bombing near the Red Fort in Delhi, shocking facts are emerging regarding this terrorist incident, proving that the Faridabad terrorist module had hatched a massive conspiracy. While the accidental explosion in the car of a doctor involved in this module exposed the terrorist plot, it should not be overlooked that they were waiting to carry out a terrorist attack similar to 26/11. They had collected cars for multiple blasts and stockpiled deadly weapons and explosives. As the number of individuals implicated in this terrorist plot grows, suspicions deepen about the role of Faridabad's Al Falah University, making it clear that terrorism has spread far deeper than Kashmir, even to other parts of the country. Al Falah University is under scrutiny not only for hiring an unexpectedly large number of Kashmiri doctors, but also for employing doctors who had been dismissed from other institutions. One of these Kashmiri doctors was dismissed for openly supporting terrorism and separatism. This suggests that Al Falah management either failed to conduct background checks before hiring or chose to ignore them. This necessitates a thorough investigation of this educational institution. The National Investigation Agency and other agencies investigating the Faridabad terrorist module must also delve into the reasons why the number of people driven by religious fanaticism to terrorism is increasing. Now, anyone can be found following the path of terrorism, whether illiterate or highly educated, poor or wealthy. The fact is that the poisonous statements of religious extremists do not alone make someone a terrorist. Furthermore, their own environment, and especially the toxic narrative that they are being marginalized or that their people are being treated as second-class citizens, also contributes to this path of terrorism. Furthermore, this propaganda fuels them with frenzy and a desire for revenge, believing that their religious beliefs, or even religion itself, are under threat. This propaganda is not perpetrated solely by radical elements. Leaders of particular parties, driven by cheap vote-bank politics, also create a similar atmosphere. This environment becomes a means for these frenzied elements to play the victim card and, at times, resort to terrorism.

The four labor codes, if implemented quickly, will provide a framework for balanced development.

In an era of automation and digitization, when traditional jobs are declining, these codes will provide a framework for balanced development. The four labor codes form the backbone of the ambition to build a developed India, a self-reliant nation, by combining economic dynamism with social justice. The importance of labor laws and the need for labor reforms. The early implementation of the codes: India's workforce must be rapidly placed in formal employment that offers fair wages and comprehensive social protection, so that the benefits of development can provide secure and dignified livelihoods for all. The persistence of outdated labor laws has partially hampered the ability of enterprises to provide quality employment. In light of this, the labor reforms envisioned by the National Commission on Labor were long overdue. These were passed by Parliament in the form of four labor codes between 2019 and 2020. These codes provide a comprehensive framework to modernize the country's labor landscape and address structural imbalances. The creation of four new labor codes, simplifying and modernizing 29 decades-old central labor laws, aims not only to unify the laws but also to make work more fair, safe, and productive. The Code on Wages, 2019, is a historic step towards ensuring that every worker receives a minimum wage that respects the dignity of labor. Previously, the minimum wage was limited to specified occupations, but now it has been extended to all workers in all sectors, both organized and unorganized. This universalization of the minimum wage gives workers a legal right to a basic wage. For the first time, a national floor wage has been established, which the central government will set taking into account living standards and regional conditions. No state will be able to set a minimum wage lower than this. This will reduce wage disparities between states and provide equal opportunities to workers across the country. The Code also ensures regular wage reviews, ensuring workers' income remains relevant to changing economic conditions. Under this Code, the burden of proof in disputes will be on employers, increasing their accountability. The Social Security Code, 2020, is one of the most inclusive public welfare initiatives in independent India. By merging nine key laws, including the Employees' Provident Fund Act, the Employees' State Insurance Act, and the Maternity Benefit Act, it establishes a unified system covering both traditional and new occupations. For the first time, gig workers and unorganized sector workers are recognized as part of the national workforce. Each worker will be registered and issued a unique social security number, enabling direct disbursement of benefits such as health insurance, pensions, and maternity assistance. The Occupational Safety, Health, and Working Conditions Code, 2020, is a message of care and responsibility towards those who build the nation. By broadening the definition of an establishment, this Code provides protection to millions of people who were previously not covered by safety laws. Every employee will be provided with an appointment letter in a prescribed format, which will include the employee's details, designation, category, salary details, and social security details. The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020 mandates free annual health checkups for workers and requires employers to ensure they maintain safe and hygienic workplaces without imposing any financial burden on them. The Code also makes significant progress towards gender equality. It allows women workers to work in all establishments and in night shifts. The Industrial Relations Code, 2020, brings clarity to the relationship between employers and employees by merging three older acts into a unified framework. It requires establishments with twenty or more employees to establish grievance redressal committees to ensure speedy resolution of disputes and avoid strikes or litigation. Under this Code, workers facing layoffs are now entitled to 30 days' notice and adequate compensation. This is a humanitarian reform that respects livelihood security. Examples from various developing countries demonstrate that labor reforms have significantly contributed to their economic progress. Given the changing global economic environment, rising tariffs, and shifting trade structures, it is crucial to implement new labor codes in India as soon as possible. Simplifying and making labor laws transparent will boost investment, expand formal employment, and ensure dignified rights for workers. In an era of automation and digitization, when traditional jobs are declining, these codes will provide a framework for balanced growth. The four labor codes form the backbone of the ambition to build a developed India, a self-reliant nation, by combining economic dynamism with social justice.

Pakistan is under complete military control, and any dialogue with the government is meaningless.

This bill will have far-reaching implications and appears to be a move by the government to address challenges to its authority, particularly Imran Khan's party. After the passage of this bill, any dialogue with Pakistan's civilian government will be meaningless for India, as the military will retain all significant powers. Constitutional Amendment Increases Military Control Recently, the Pakistani Parliament passed the 27th Constitutional Amendment Bill, making sweeping changes to the military's command structure and judicial framework. Among other changes, this bill rewrites Article 243 of the Constitution. It establishes the post of Chief of Defence Forces and abolishes the position of Chairman of the Joint Chiefs of Staff Committee. This bill was passed because the ruling coalition had a majority in the National Assembly, the lower house of Parliament, while the opposition boycotted the upper house, the Senate. After the President's signature, this bill will become law. Article 243 has been amended five times in Pakistan's history. The original 1973 Constitution stated that the federal government would have control and command of the armed forces. General Zia-ul-Haq amended it to provide that the supreme command of the armed forces would rest with the president, transferring military control from the civilian government. In 1997, Prime Minister Nawaz Sharif overturned this, restoring control of the armed forces to the federal government and parliament. General Pervez Musharraf reversed this in 2002, reinstating presidential supremacy. In 2010, the 18th Amendment amended the constitution again, retaining the position of president as supreme commander of the armed forces, but transferring de facto authority to the federal government. The proposed change to Article 243 recognizes the army chief as the chief of defense forces and abolishes the position of chairman of the Joint Chiefs of Staff Committee. This change would make the Chief of Defense Forces the supreme authority of Pakistan's armed services. This bill proposes establishing the position of commander of the National Strategic Command. Additionally, there are provisions for providing extensive benefits to officers promoted to five-star ranks, such as Field Marshal, Marshal of the Air Force, or Admiral of the Fleet. Under the constitutional amendment, the President will appoint the chiefs of the Army, Navy, and Air Force on the advice of the Prime Minister, while the Army Chief will serve as the Chief of Defence Forces. Furthermore, the Commander of the National Strategic Command will be appointed by the Prime Minister on the recommendation of the Army Chief and will be selected from within the military. He will oversee Pakistan's nuclear and strategic assets. Under a separate provision, officers promoted to five-star rank will enjoy lifelong constitutional protection. These officers will retain their rank, privileges, and uniform for life and can only be removed through an impeachment process, similar to the President. Opposition parties and civil rights groups object to the Constitutional Amendment Bill, arguing that it will further tilt the balance of power in favor of the military while weakening the authority of civilian institutions. The 27th Amendment Bill will also make significant changes to the judicial structure. At the center of the amendment is a new supreme court, the Federal Constitutional Court (FCC). The FCC will have its own Chief Justice, who will serve a fixed term of three years and will be appointed from among senior Supreme Court and High Court judges with at least seven years of experience or from very senior lawyers with more than 20 years of experience. Under the powers granted by the constitutional amendment, the President will have the authority to transfer a High Court judge from one High Court to another. If a judge refuses to accept the transfer, he or she will be automatically considered retired. The FCC will also assume some key powers of the Supreme Court. Its decisions will be binding on all courts, including the Supreme Court. The FCC will also have exclusive jurisdiction to settle disputes between the Union and the provinces, as well as between the provinces. Furthermore, it will have the authority to suo motu take up cases involving legal questions relating to the interpretation of the Constitution. The passage of the 27th Amendment Bill marks the biggest change in Pakistan's defense command structure since the constitutional conflicts of the 1980s. It will redefine the delicate balance of civil-military relations that has always existed in the country's Constitution. This amendment will increase the military's institutional autonomy, i.e., autocracy, and also free it from civilian oversight. This bill has been introduced specifically to benefit one individual, Asim Munir, not to strengthen the defense structure. The passage of the controversial amendment bill means that democratic institutions in Pakistan will remain crippled. The judiciary, which has already seen its independence weakened after the 26th Amendment, will be further weakened. This is why opposition parties are urging people to stand up against this dangerous change. This bill will significantly alter the role of Pakistan's armed forces and It will increase the power of the armed forces, weaken the judiciary, and reduce the financial powers of the provinces. Its impact will be far-reaching and appears to be a move by the government to address challenges to its authority, particularly from Imran Khan's party. After the passage of this bill, any dialogue with Pakistan's civilian government will be meaningless for India, as all significant powers will be vested in the military. The often-cited adage that while countries have their own armies, the Pakistani military has its own country will become even more established. Currently, Field Marshal Asim Munir is the undeclared ruler of Pakistan. Now, he will become its constitutional ruler as well.

38 नई दुकानों के निर्माण को लेकर गहराया विवाद, तीन दिन में खाली करने का अल्टीमेटम

मुरादाबाद। मंडी समिति मुरादाबाद में 38 नई दुकानों के प्रस्तावित निर्माण को लेकर शनिवार को प्रशासन के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। निर्माण कार्य शुरू करने के सुझाव के साथ ही मंडी प्रशासन ने संबंधित स्थल पर तीन दिनों के भीतर दुकानों को सकते में आ गए। उन्होंने तत्काल जाने वाले दुकानदारों के लिए किया।1980 में लाइनपार में बनाई निर्माण कराया जा रहा है। शासन आवंटित कर दिया है। शनिवार शिवकुमार राघव, मंडी सचिव वाले स्थान निरीक्षण किया। इस ने निर्माण स्थल पर बैठे आढ़तियों लिए कहा है। वहीं आढ़तियों कारोबार कर रहे हैं। बैठक में परंतु 100 से अधिक व्यापारियों अनुचित और असंतुलित है। प्रभावित व्यापारियों को मंडी तब तक निर्माण कार्य स्थगित कि यदि समाधान नहीं निकला विवश होंगे। सिटी मजिस्ट्रेट विनय पांडेय ने बताया कि जिस स्थान पर निर्माण होना है वहां पर कारोबार कर लोग अनाधिकृत रूप से बैठे हैं। नई दुकानों के निर्माण के लिए निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया कि अब वहां नई दुकानों का निर्माण कराया जाएगा।

मौजूद लगभग सौ से अधिक थोक व्यापारियों को खाली करने का अल्टीमेटम दिया। इसके बाद व्यापारी आपात बैठक बुलाकर और मंडी प्रशासन से हटाए अलग वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग पर विचार गई नवीन मंडी समिति में 45 वर्ष के दुकानों का ने इसके लिए भेजे गए प्रस्ताव को मंजूर कर धन को सिटी मजिस्ट्रेट विनय पांडेय और डिप्टी डायरेक्टर संजीव कुमार ने मंडी समिति में दुकानों के निर्माण दौरान मंडी के आढ़ती भी जुट गए। सिटी मजिस्ट्रेट को मौखिक रूप से जल्द दुकानें खाली करने के का कहना है कि वह पिछले 20-25 वर्षों से मंडी में कहा कि वे मंडी के विकास के विरोधी नहीं हैं, को हटाकर सिर्फ 38 दुकानों का निर्माण कराना व्यापारियों ने मांग की है कि प्रशासन जब तक परिसर में उचित स्थान उपलब्ध नहीं कराया जाता, रखे का हम आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने के लिए

कोसी नदी क्षेत्र में अवैध कब्जा करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

मुरादाबाद। तहसील सदर के ग्राम मंसूरपुर क्षेत्र में राजस्व अभिलेखों में नदी की भूमि के तौर पर दर्ज शासकीय भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा करके आम का बाग लगाने में तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें अवैध कब्जेदार सैयद मोहम्मद शाह, सैयद अशरफ शाह, सैयद जफर शाह उर्फ चोये मियां निवासी मोहल्ला बजरिया झब्बू खां राजद्वारा के खिलाफ सिविल लाइंस में दर्ज हुई है। अवैध कब्जेदारों का नदी क्षेत्र की गाटा संख्या 40 रकबा 0.2020 हेक्टेयर, गाटा संख्या 42/2 रकबा 0.0630 हेक्टेयर, गाटा संख्या 43/5 रकबा 0.1260 हेक्टेयर तथा गाटा संख्या 43/3 रकबा 0.2750 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जा था। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार तहसील सदर की राजस्व टीम द्वारा पुलिस बल की मौजूदगी में भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर हदबंदी करा दी गई है। उपजिलाधिकारी सदर ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील क्षेत्र में नदी, तालाब एवं अन्य विभिन्न प्रयोजन के लिए राजस्व अभिलेखों में दर्ज संपत्तियों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया जा रहा है, साथ ही विभिन्न प्रकार के जमीनी विवादों को निस्तारित कराने की मुहिम लगातार जारी है।

ठंड ने बढ़ाई सिहरन...दिन में निकली धूप से राहत

मुरादाबाद । शनिवार की सुबह कोहरे के साथ शुरू हुई तो लोगों को ठंड महसूस हुई। दृश्यता कुछ कम होने के कारण सुबह के समय वाहन चालकों को भी सावधानी से चलना पड़ा। शहर के कई इलाकों में कोहरे की चादर देर तक छाई रही। हालांकि, सुबह करीब आठ बजे भगवान सूर्य के दर्शन होने पर लोगों को राहत मिली। शनिवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में न्यूनतम पारा और नीचे जाने की संभावना है। उत्तर दिशा से चल रहीं ठंडी हवा के कारण सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है।आने वाले सप्ताह में मुरादाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ठंड और बढ़ सकती है। सूर्य निकलने के बाद लोगों ने ठंड के बीच धूप का आनंद लिया। शहर के कई इलाकों में लोग घरों की छतों पर बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ धूप सेंकते दिखे। पार्कों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग धूप में बैठकर बातें करते नजर आए। ठंडी हवा के बीच लोगों ने गर्म कपड़ों का सहारा लिया। शहर के बाजारों में ऊनी कपड़ों की दुकानों पर भीड़ देखी गई।

लेखपालों ने जिले में विभिन्न मांगों को लेकर दिया धरना, प्रदर्शन कर सीएम को भेजा ज्ञापन

रामपुर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के सदस्यों ने शनिवार को प्रांतीय आह्वान पर जिले की सभी तहसीलों में धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने सीएम को ज्ञापन भेजा। लेखपाल तहसील में धरना प्रदर्शन किया।रामपुर तहसील में प्रदर्शन कर लेखपालों ने प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति समाधान, पुरानी पेंशन विसंगति दूर करना, स्टेशनरी भत्ता 100 से 1000 रुपये, विशेष वेतन भत्ता 100 से 2500 रुपये प्रतिमाह, राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के अतिरिक्त पद देने, यात्रा भत्ता - नियत यात्रा भत्ता के स्थान पर वाहन/मोटर साइकिल भत्ता आदि मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद सीएम को ज्ञापन भेजा।टांडा में लेखपालों ने कहा कि कई बार पत्राचार और ज्ञापन के बावजूद उनकी समस्याओं पर कोई पहल नहीं हुई है। उन्होंने दोहराया कि यह हड़ताल पूरी तरह सांकेतिक है, लेकिन यदि प्रांतीय संगठन ने निर्देश दिया तो आंदोलन और भी तीव्र हो सकता है। धरने का नेतृत्व तहसील अध्यक्ष कुंदन सिंह ने किया।

बिलासपुर में ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष नीरज कुमार, मंत्री बबलू गंगवार, शमशेर सिंह आदि मुख्य थे। शाहबाद में लेखपालों ने विभिन्न लंबित मांगों को लेकर तहसील परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। धरना देने वालों में संगठन के तहसील मंत्री रमन कुमार, अध्यक्ष राहुल कुमार कई लेखपाल मौजूद रहे

यूपी में जीएसटी चोरी: जम्मू से बंगाल तक फैला फर्जी फर्मों का जाल, सीएम तक पहुंचा मामला, अब बड़े स्तर पर जांच

मुरादाबाद में राज्य कर विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर सामने आई लोहे के कारोबार की बड़ी जीएसटी चोरी के मामले में मास्टर माइंड अंकित कुमार का खुलासा किया है। आरोपी ने जम्मू-कश्मीर से चेन्नई तक सिर्फ दो मोबाइल नंबरों के जरिए 144 बोगस फर्में पंजीकृत करा दीं। जांच में करीब 1960 करोड़ के टर्नओवर पर 400 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा हुआ।राष्ट्रीय स्तर पर लोहे के कारोबार में जीएसटी चोरी पकड़े जाने पर मुरादाबाद राज्य कर विभाग शासन की सुर्खियों में छा गया। जांच में आया कि आरोपी अंकित ने जम्मू कश्मीर, यूपी से लेकर चेन्नई तक सिर्फ दो मोबाइल नंबरों के सहारे बोगस फर्मों का पंजीयन कराया, लेकिन सीजीएसटी और प्रदेश के अन्य अधिकारियों को भनक तक नहीं लग सकी।जीएसटी चोरी का मास्टर माइंड अंकित कुमार यूपी के जिलों में काफी दिनों से सीजीएसटी के माध्यम से बोगस फर्मों का धड़ाधड़ ऑनलाइन पंजीयन कराता जा रहा था। यूपी के बाद उसने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, दिल्ली आदि प्रदेशों में 144 बोगस फर्में रखी थीं लेकिन कोई अधिकारी एक भी फर्म को पकड़ नहीं सका।24 अक्तूबर को जब लखनऊ से मुजफ्फरनगर भेजे जा रहे स्क्रैप से लदे दो ट्रकों को मुरादाबाद रोड पर मोबाइल दस्ते ने पकड़ा तो जीएसटी चोरी की उल्टी गिनती शुरू हो गई। राज्य कर के अपर आयुक्त अशोक कुमार सिंह और आरए सेठ ने जांच कराना शुरू किया तो पता चला कि लखनऊ के मास्टर माइंड ने दो मोबाइल नंबरों के माध्यम से देश भर में बोगस फर्मों को खोला है। कारोबारी ने बोगस फर्मों के माध्यम से 1960 करोड़ का टर्नओवर कर करीब 400 करोड़ की जीएसटी चोरी की है। इस मामले में पर्दे के पीछे खेल करने वालों को पकड़ने के लिए राज्य कर ने सिविल लाइंस थाने में दो और ठाकुरद्वारा में एक केस दर्ज किया गया। इसके बाद शासन के निर्देश पर एसएसपी ने जीएसटी चोरी की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी। एसआईटी पूर्व में दर्ज लकड़ी कारोबार में जीएसटी चोरी की भी जांच कर रही है। लकड़ी कारोबार में जीएसटी की चोरी रोकने के लिए जुलाई से चला था अभियान- मुरादाबाद मंडल में लकड़ी कारोबार में जीएसटी चोरी के खिलाफ राज्य कर विभाग ने जुलाई में अभियान शुरू किया था। जांच के दौरान पता चला कि मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा और रामपुर के कारोबारी मिलकर बोगस फर्मों के माध्यम से जीएसटी चोरी कर रहे हैं। इसमें उत्तराखंड के कारोबारी शामिल हैं। लकड़ी के जीएसटी चोरी मामले में कोतवाली, गलशहीद, बिलारी थाने में छह केस दर्ज किए गए। जांच में आया कि लकड़ी कारोबारियों ने करीब 200 करोड़ की जीएसटी चोरी की है और करीब 1300 करोड़ का टर्नओवर किया है। इस मामले को मुख्यमंत्री ने भी संज्ञान में लिया था। इसमें 600 करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी की बात सामने आई है। शासन स्तर पर इन केसों की समीक्षा की गई तो सामने आया कि यूपी के 45 जिलों में 147 केस दर्ज हो चुके हैं। इनमें करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी की जांच एसआईटी कर रही है। अलग-अलग जिलों में बनाई गईं एसआईटी की निगरानी के लिए डीजीपी राजीव कृष्ण ने आईपीएस अफसरों की राज्यस्तरीय एसआईटी का गठन किया है। राज्यस्तर पर बनी एसआईटी की कमान आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लयू) के आईजी सुनील मेनुएल को सौंपी गई है। इसमें आईपीएस सुशील घुले चंद्रभान, अविनाश पांडेय, बबिता सिंह और प्रेम कुमार शुक्ला को टीम में शामिल किया गया है। शनिवार को लखनऊ में गठित की गई एसआईटी ने अलग-अलग जिलों की एसआईटी के साथ ऑनलाइन मीटिंग की। एक-एक केस पर बात की और अब तक की जांच के बारे में जानकारी जुटाई। करीब ढाई घंटे चली बैठक में अफसरों ने टीमों के सदस्यों को बताया कि एक सप्ताह में सभी केसों से संबंधित दस्तावेज जुटा लें। इसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही कहा कि वह जांच के दौरान किसी को गिरफ्तार करने, हिरासत में लेकर पूछताछ करने और चार्जशीट लगाने से पहले चर्चा करेंगे। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह था मामला मुरादाबाद में राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 24 अक्तूबर को चेकिंग के दौरान दो ट्रक पकड़े थे। इन ट्रकों से जीएसटी चोरी करके सरिया ले जाया जा रहा था। अफसरों ने जांच की तो पता चला कि दो मोबाइल नंबरों पर 122 फर्जी फर्में पंजीकृत कराई गई थीं। इन फर्मों के जरिये 400 करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी की बात सामने आ चुकी है। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में 31 अक्तूबर को राज्यकर विभाग के वरिष्ठ सहायक पिकू कुमार ने फर्म स्वामी अंकित कुमार समेत सात पर केस दर्ज कराया था। दूसरा मुकदमा वरिष्ठ सहायक प्रमोद कुमार ने अंकित कुमार समेत सात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इस तरह जिले में नौ मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इनमें 600 करोड़ से अधिक की जीएसटी चोरी की बात सामने आई है। इन केसों की जांच के लिए एसएसपी सतपाल अंतिल ने एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार के नेतृत्व में 11 सदस्य एसआईटी गठित की है। प्रदेश स्तर पर एसआईटी गठित की गई है। जिले में जीएसटी चोरी की जांच यहां की एसआईटी करेगी और साक्ष्य जुटाएगी। लखनऊ में बनाई गई एसआईटी सुपरविजन करेगी। - सुभाषचंद्र गंगवार, एसपी क्राइम

संक्षिप्त समाचार

आठवीं की नाबालिग छात्रा जा रही थी घर, 43 साल के इब्राहीम ने की गंदी हरकत, कैमरे में कैद हो गई करतूत

मुगलपुरा में 13 वर्षीय छात्रा के साथ 43 साल के व्यक्ति ने सरेआम छेड़खानी कर दी। यह वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने केस दर्ज करवाया है।मुगलपुरा थानाक्षेत्र में राह चलती आठवीं कक्षा की छात्रा से 43 वर्षीय आरोपी इब्राहीम ने छेड़खानी की। छात्रा ने भागने की कोशिश की तो आरोपी ने उसे अपनी साइकिल और मकान की दीवार के बीच फंसा दिया और इस घिनौनी घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया।वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। मुगलपुरा क्षेत्र के एक मोहल्ला में रहने वाले व्यक्ति ने दर्ज कराए केस में बताया कि उसकी 13 वर्षीय बेटी कक्षा आठ में पढ़ती है। आठ नवंबर की सुबह करीब सवा पांच बजे वह दुकान से सामान लेकर घर लौट रही थी।इसी दौरान नागफनी क्षेत्र के नवाबपुरा निवासी इब्राहीम साइकिल से आ गया।

उसने पीड़िता को घेर लिया। साइकिल और दीवार के बीच में फंसा लिया। आरोप है कि इब्राहीम ने उसके साथ छेड़खानी की। छात्रा ने चीख पुकार मचाकर लोगों को बुलाया तो आरोपी साइकिल दौड़ाकर भाग गया। घर पहुंचकर छात्रा ने मां-बाप को आपबीती सुनाई। घर से बाहर निकलकर परिजनों ने आरोपी की तलाश की लेकिन तब तक आरोपी भाग गया। पीड़िता के पिता ने पुलिस को तहरीर दी लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया।

इसके बाद परिवार के लोगों ने आस पड़ोस के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जिसमें आरोपी की करतूत मिल गई। वीडियो में पीड़िता भी हिम्मत दिखाते नजर आई। उसने आरोपी के कई थप्पड़ भी मारे हैं। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो अधिकारियों तक इसकी जानकारी पहुंच गई। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी है। शादी का झांसा देकर युवती का शोषण, केस दर्ज- मझोला थानाक्षेत्र में बहन के घर आई युवती को शादी करने का झांसा देकर युवक ने उसका यौन शोषण किया। युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी और उसके परिजनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। संभल जिले की रहने वाली युवती ने दर्ज कराए केस में बताया कि उसकी बहन मझोला थानाक्षेत्र में रहती है। करीब दो साल पहले वह बहन के घर आई थी। इसी दौरान मझोला के लाइन पार ढक्का निवासी शानू से उसकी मुलाकात हो गई थी। आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया और बातचीत करने लगा था। आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया।

दो साल तक आरोपी उसे ब्लैमेल करता रहा। इसके बाद आरोपी ने उससे 50 हजार रुपये भी हड़प लिए। इसके बाद आरोपी ने शादी करने से साफ इन्कार कर दिया। पीड़िता आरोपी के घर बात करने गई तो आरोपी शानू के पिता अली हसन, भाई शाकिब और परिवार के अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सिविल लाइंस में बाजपुर की युवती से दुष्कर्म- सिविल लाइंस थानाक्षेत्र में बाजपुर की युवती से आरोपी साहिल मंसूरी ने दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के बाजपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया है। जिसमें उसने बताया कि उसकी 25 वर्षीय बेटी से साहिल मंसूरी नाम के युवक ने खुद को हिंदू बताकर दोस्ती कर ली। इसके बाद आरोपी ने उसे मुरादाबाद बुला लिया। यहां आरोपी ने उसके साथ होटल में दुष्कर्म किया। पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उसे बताया कि वह वह मुस्लिम है। इसके बाद आरोपी उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

यूपी पुलिस का हत्यारा दरोगा: प्रेमिका की रॉड से की थी हत्या, फिर नग्न अवस्था में फेंका शव, ऐसे हुआ खुलासा

मौदहा कोतवाली इलाके में नग्न अवस्था में मिली युवती के शव के मामले का पुलिस ने दो दिन में खुलासा किया है। महोबा जिले में तैनात दरोगा अंकित यादव को गिरफ्तार किया है, जिसने प्रेम प्रसंग के बाद हुए विवाद में युवती के सिर पर लोहे की रॉड मारकर हत्या की थी।हमीरपुर जिले में उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि पर सवाल खड़ा करने वाली एक

सनसनीखेज घटना सामने आई है। महोबा जिले में तैनात यूपी पुलिस के दरोगा अंकित यादव को अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा मात्र दो दिनों के भीतर कर दिया।मामला तब शुरू हुआ जब 13 नवंबर को मौदहा कोतवाली इलाके में सड़क किनारे एक युवती का नग्न अवस्था में शव बरामद हुआ, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया था। जांच में पता चला कि मृतक युवती और दरोगा अंकित यादव के बीच प्रेम प्रसंग था।युवती को रास्ते से हटाने की साजिश रची पुलिस के मुताबिक, इस प्रेम कहानी की शुरुआत तब हुई जब दरोगा अंकित यादव मृतक युवती से जुड़े दहेज उत्पीड़न के एक मामले की जांच कर रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। हाल ही में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद दरोगा अंकित यादव ने युवती को रास्ते से हटाने की साजिश रची। रॉड से की हत्या, प्राइवेट कार में ले जाकर फेंका- विवाद बढ़ने पर, हत्यारे दरोगा अंकित यादव ने युवती के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए दरोगा ने शव को एक प्राइवेट कार में डाला और हमीरपुर के मौदहा कोतवाली इलाके में सड़क किनारे नग्न अवस्था में फेंक दिया था। एसपी बोले- आरोपी के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई- पुलिस ने मामले की जांच करते समय मात्र दो दिन में हत्या की गुत्थी सुलझा ली। पुलिस ने हत्यारे दरोगा अंकित यादव को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, हत्या में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड और वारदात में प्रयुक्त प्राइवेट कार को भी बरामद कर लिया गया है। एसपी ने बताया कि आरोपी दरोगा के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की संबंधित धाराओं में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोरम पंचायत में किसानों ने भरी हुंकार, देश-समाज से जुड़े मुद्दों पर होगी बात, गठवाला भी शामिल

सोरम में आज बड़ी सर्वखाप पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें किसान और समाज से जुड़ों मुद्दों पर बात की जाएगी। राजनीतिक बातों से परहेज करने की बात खापों ने कही है।मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में 16 से 18 नवंबर तक तीन दिवसीय सर्वखाप पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए मुजफ्फरनगर समेत अन्य जिलों और राज्यों से भी लोग रविवार सुबह ही पहुंच गए। यहां समाज से जुड़े मुद्दों पर बात की जाएगी और फैसले

लिए जाएंगे। सोरम की सर्वखाप पंचायत में छत्तीसगढ़ से आदिवासी किसानों की समस्या लेकर पूर्व विधायक जनक लाल ठाकुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां खाप पंचायत का तौर-तरीका देखेंगे। अपने क्षेत्र के किसानों और समाज की समस्या सर्वखाप पंचायत में रखेंगे। अच्छी बात यह है कि यहां पर कोई राजनीतिक बात नहीं होगी। लोगों में सामाजिक चेतना के लिए यह बड़ा प्रयास हैथांबेदारों के साथ पहुंचे गठवाला खाप के ग्रामीण सोरम सर्वखाप पंचायत में गठवाला खाप के शामिल होने को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई थी। रविवार सुबह थांबेदार रविंद्र सिंह और अन्य लोग एकत्र होकर सोरम पहुंच गए और पंचायत में शामिल हुए। गठवाला खाप के थांबेदारों ने कहा कि यह सामाजिक पंचायत है, इसमें सबको शामिल होना चाहिए। इसलिए हम यहां तमाम नाराजगी के बाद भी आए हैं। किसान मसीहा महेंद्र सिंह टिकैत की प्रतिमा का अनावरण सोरम में किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की प्रतिमा का अनावरण किया गया। शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर ओमानंद ब्रह्मचारी ने प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान किसानों ने ओमानंद ब्रह्मचारी का अभिनंदन किया। किसानों से एकता का आह्वान किया गया।

सफाई नायक को पीटा, आरोपी बोला- हिस्ट्रीशीटर हूं... शिकायत की तो चौराहे पर जान से मार दूंगा

बरेली में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाने से इन्कार करने पर हिस्ट्रीशीटर और उसके साथियों ने सफाई नायक को पीटा। आरोपियों ने उनकी जेब से रुपये भी निकाल लिए। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बरेली में फर्जी जन्म लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। इस मामले में हिस्ट्रीशीटर शनिवार की रात रिपोर्ट दर्ज की गई। घटना नगर निगम के जन्म-है।आंवला के घेर अन्नू खां, निकट स्टेट बैंक निवासी सफाई नायक मुताबिक वह सरकारी कार्य से जन्म-मृत्यु कार्यालय में गए थे। सत्यार्थ प्रताप सिंह व उसका भतीजा आया हुआ था। सत्यार्थ ने गाली-गलौज कर धमकाना शुरू कर दिया। वहां मौजूद लोगों ने

प्रमाणपत्र बनवाने से मना करने पर सफाई नायक हेमंत कुमार के साथ मारपीट और काशीनाथ समेत पांच नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मृत्यु कार्यालय में हुई। पीड़ित ने पूरी घटना सीसी कैमरे में रिकॉर्ड होने का दावा किया हेमंत कुमार के मुताबिक घटना सात नवंबर दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। हेमंत के वहां पर सिगरेट गोदाम वाली गली नेकपुर निवासी हिस्ट्रीशीटर काशीनाथ का बेटा फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने को कहा। इस बात से इन्कार करने पर आरोपियों ने बीच-बचाव कराकर मामले को शांत करा दिया। इसके कुछ समय बाद दोपहर करीब ढाई बजे अभिषेक भारद्वाज और हिस्ट्रीशीटर काशीनाथ ने फोन कर उसे जन्म-मृत्यु कार्यालय के बाहर बुलाया।आरोप है कि वहां पहुंचते ही सत्यार्थ प्रताप सिंह, उसका चचेरा भाई, उसका पिता काशीनाथ और अमित व अभिषेक भारद्वाज के अलावा कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर दिया। उसे हेलमेट से पीटा गया और उसी दौरान उसके गले की चेन कहीं गिर गई। इस बीच हमलावरों ने उसकी जेब में रखे 6500 रुपये, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज लूट लिए। इस संबंध में कोतवाली थानाध्यक्ष सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पहले से दो जन्म प्रमाण पत्र होने का आरोपियों ने किया था दावा दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक काशीनाथ के बेटे ने हेमंत से कहा था कि उसके पहले से दो जन्म प्रमाण पत्र बन चुके हैं और अब वह तीसरा बनवाना चाहता है। इस पर हेमंत ने मना करते हुए कहा कि नगर निगम से एक व्यक्ति का एक ही जन्म प्रमाण पत्र बन सकता है। इसी पर सत्यार्थ और काशीनाथ का भतीजा भड़क गया। उन्होंने कहा कि एक घंटे में जन्म प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने दोबारा षड्यंत्र रच कर उसे बुलाया था। हिस्ट्रीशीटर ने दिखाई हेकड़ी, पैर छुए तब बख्शी जान- हेमंत के मुताबिक मारपीट के दौरान काशीनाथ चिल्लाते हुए कहता रहा कि उसका नाम बरेली में किसी से भी पूछ लेना। वह जिले का जाना-माना हिस्ट्रीशीटर है। धमकी देते हुए यह भी कहा कि किसी भी थाने या कहीं और शिकायत की तो वह उसे बरेली के किसी भी चौराहे पर जान से मरवा देगा। इसके साथ ही कहा कि बेटे सत्यार्थ के पैर छूकर माफी मांगों तभी जान बख्शेंगे। इसके बाद हेमंत ने पैर छूकर माफी मांगी, तब जाकर उसे छोड़ा गया। हेमंत ने बताया कि यह पूरा वाकिया नगर निगम में लगे सीसी कैमरे में भी देखा जा सकता है।

निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा रविवार को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। बैठक में मध्यप्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन

अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने गणना पत्रकों की मैपिंग, वितरण एवं डिजिटाइजेशन की स्थिति संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्देशित किया गया कि पुनरीक्षण कार्य को 'चुनाव मोड' में रहकर पूर्ण गंभीरता से किया जाए। सभी बीएलओ के कार्यों की नियमित समीक्षा जिला स्तर पर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने तथा एसआईआर से संबंधित सभी लक्ष्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान एनआईसी शिवपुरी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रवीन्?द्र कुमार चौधरी, अपर कलेक्टर श्री दिनेश चंद्र शुक्ला तथा एडीआईओ, एनआईसी श्री निखिल राय उपस्थित रहे। बैठक में आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग में मणिपुर, बालिका में पश्चिम बंगाल बनी चैंपियन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। राजकीय इंटर कॉलेज बरेली में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय अंडर-17 वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शनिवार को भव्य समापन हुआ। बंगाल की टीमों ने शानदार प्रदर्शन वर्ग में मणिपुर ने उत्तराखंड को मात पश्चिम बंगाल ने एक बार फिर बेहतरीन बालक वर्ग = मणिपुर ने उत्तराखंड टीम ने दमदार शुरुआत करते हुए पहला ने 25-20 से वापसी की, लेकिन अगले दो सेट 25-23 व 25-19 से किया। यूपी की टीम कांस्य पदक से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। दूसरी बार खिताब जीता पिछले वर्ष बार भी अपना दबदबा कायम रखते

फाइनल मुकाबलों में मणिपुर और पश्चिम करते हुए खिताब अपने नाम किए। बालक दी, जबकि बालिका वर्ग में गत विजेता खेल दिखाते हुए राजस्थान को पराजित किया। को 3-1 से हराया फाइनल में मणिपुर की सेट 25-15 से जीता। दूसरे सेट में उत्तराखंड इसके बाद मणिपुर ने लय पकड़ ली और जीतते हुए 3-1 से मुकाबला अपने नाम मुकाबले में उतरी और सीबीएसई को 3-0 बालिका वर्ग = पश्चिम बंगाल ने लगातार की विजेता पश्चिम बंगाल की टीम ने इस हुए राजस्थान को 3-0 से पराजित किया। टीम ने पहला सेट 25-15, दूसरा 25-19 और तीसरा 25-7 से अपने नाम करके एकतरफा जीत दर्ज की। कांस्य पदक मुकाबले में केरल ने हिमाचल प्रदेश को 25-22, 25-15, 25-5 से हराया। कप्तान की चोट से डगमगाई यूपीबाकी टीम- पिछली बार उपविजेता रही उत्तर प्रदेश को इस बार तीसरा स्थान ही मिल सका। उत्तराखंड के खिलाफ सेमीफाइनल में यूपी के कप्तान अबुजर चोटिल हो गए और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा। कप्तान के बाहर होने से टीम की लय टूट गई, जिसका असर प्रदर्शन पर साफ दिखा। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को भी मिला सम्मान समापन समारोह में बालक और बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। बालक वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी= बेस्ट लिबरो - राघव मलिक (गुजरात) बेस्ट मिडल ब्लॉकर - मो. अनस (उत्तर प्रदेश) बेस्ट अपोजिट हिटर - हर्ष (उत्तराखंड) बेस्ट हिटर - सोंरो खाईबान (मणिपुर) बेस्ट आउटसाइड स्पाइकर - वंश मयूम (मणिपुर) मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर - रफीक (उत्तराखंड) बालिका वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी= बेस्ट लिबरो - आदित्या खेरा बेस्ट मिडल ब्लॉकर - सन्नंया (पश्चिम बंगाल) बेस्ट अपोजिट हिटर - इसाना (राजस्थान) बेस्ट हिटर - पलामी (पश्चिम बंगाल) बेस्ट आउटसाइड स्पाइकर - शानू (हिमाचल प्रदेश) मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर - नीतू (पश्चिम बंगाल) पुरस्कार वितरण समरोहा में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेंद्र देव, संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश कुमार, डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को पदक, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी, पीड़ितों ने कोतवाली घेरी, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

बरेली में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाली अमर ज्योति रुहेलखंड निधि लिमिटेड कंपनी के खिलाफ लोगों ने

रविवार को प्रदर्शन किया। भीड़ ने पहले रकम जमा कराने वाले अनूप का घर पर हंगामा किया। फिर कोतवाली का घेराव कर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी बदायूं और बरेली के निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करके भाग गई है। इसी कंपनी से जुड़ी सह कंपनी अमर ज्योति रुहेलखंड निधि लिमिटेड के निदेशक पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य व शशिकांत मौर्य बरेली में कटरा चांद खां के निवासी हैं। दोनों का भांजा अनूप मौर्य पुराना बस स्टैंड के पीछे बाग ब्रिगटान में रहता है जो अपने मामाओं के साथ उसी वक्त से भागा हुआ है। अनूप के कहने पर अपनी जमापूंजी कंपनी में निवेश कर गंवा चुके कई निवेशकों ने रविवार को सुबह पहले अनूप के घर पर हंगामा किया और फिर कोतवाली पहुंच गए। इनमें शामिल महिला कृष्णा मौर्य ने कोतवाली प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम को तहरीर देकर आरोप लगाया कि अनूप के भरोसे पर उन्होंने अपना काफी रुपया कंपनी में जमा कर दिया। अब अनूप समेत कंपनी के निदेशक भाग गए हैं और उनकी रकम फंस गई है। अनूप के घरवालों से कहती हैं तो वे लोग उनको को ही धमकाते हैं। कोतवाल ने जांच का आश्वासन देकर लोगों को समझाया।

अशरफ को बिरयानी पहुंचाने वाले सद्दाम के करीबी लल्ला गद्दी पर लगा गुंडा एक्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। माफिया रहे अशरफ के साले गैंगस्टर अब्दुल समद उर्फ सद्दाम के चहेते मोहल्ला चक महमूद निवासी मोहम्मद रजा उर्फ लल्ला गद्दी के खिलाफ बारादरी पुलिस ने गुंडा एक्ट की कार्रवाई कराई है। अब जल्द ही इसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई भी कराई जाएगी।पुलिस

ने लल्ला गद्दी जैसे दर्जनों लोगों की कुंडली तैयार की है। सद्दाम और लल्ला गद्दी की अवैध कमाई से खरीदी गई हरुनगला स्थित 5.30 करोड़ कीमत की तीन बीघा जमीन को फरवरी में पुलिस-प्रशासन की टीम ने कुर्क किया था। जब माफिया अशरफ बरेली की जेल में शिफ्ट किया गया था, उसी समय उसका साला सद्दाम आ गया था और खुशबू एन्क्लेव में ठिकाना बनाया था। उसने बरेली में डेरा डालने के बाद अपनी एक टीम तैयार की थी, जिसमें मुख्य रूप से लल्ला गद्दी शामिल था। उसने अशरफ को जेल में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं और प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के पहले सभी शूटर से लेकर माफिया अतीक अहमद के बेटे से अशरफ की जेल में ही मुलाकात कराई थी। लल्ला गद्दी से लेकर अन्य लोग अशरफ के खाने के लिए बिरयानी से लेकर अन्य खाद्य पदार्थ पहुंचाते थे। लल्ला गद्दी के इशारे पर सद्दाम ने हरुनगला की जमीन में निवेश किया था। सद्दाम पर नौ और लल्ला पर चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि गैंगस्टर के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई कराई गई है। जल्द ही उसे जिला बदर भी कराया जाएगा।

ठंड से बुखार और सांस के मरीज बढ़े, बच्चों पर हमलावर हुआ खांसी - जुकाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम में हो रहे बदलाव और ठंड के बढ़ते असर से बुखार, खांसी - जुकाम के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। खासकर बच्चों पर जुकाम, खांसी हमलावर हो गया है।

रविवार को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जिले में 81 केंद्रों पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में लोगों की स्क्रीनिंग हुई। बुखार, सर्दी, पेटदर्द के साथ ही जोड़ों में दर्द के मरीजों की संख्या अधिक रही। मेले में बुखार, खांसी, जुकाम पीड़ित बच्चों को लेकर परिजन इलाज कराने पहुंचे। मेले में लोगों को फाइलेरिया नाइट ब्लड सर्वे अभियान के बारे में जानकारी दी गई।

किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी-बहन पैदा न हो': लालू की बेटी का आरोप- कल मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और सारण से चुनाव लड़ चुकीं रोहिणी आचार्य ने रविवार को एक्स पर एक और पोस्ट कर हलचल मचा दी है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, कल एक बेटी, एक बहन , एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया , गंदी

गालियां दी गईं, मारने के लिए चप्पल उठाई गई। गौरतलब है कि रोहिणी परिवार छोड़ रही हैं। अब उसी एलान को लेकर रोहिणी ने कहा, मैंने अपने और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पड़ी। रोहिणी ने अपने पोस्ट छोड़ आई। मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बना दिया गया। पैदा न हो। %मुझसे कहा गया मैंने पिता को गंदी किडनी लगवा दी% गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी। बहन, जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोले कि वो अपनी या अपने किसी अपना घर- परिवार देखें, अपने माता-पिता की परवाह किए बिना अपने ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनो बच्चों को नहीं अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती , कभी , ना करे किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो। तेजस्वी के सहयोगियों पर लगाए थे आरोप- एक दिन पहले ही रोहिणी ने अपने भाई और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि उन्हें तेजस्वी और उनके करीबी संजय यादव व रमीज ने परिवार से निकाल दिया। तब रोहिणी आचार्य ने कहा था कि बिहार चुनाव में राजद की करारी हार पर सवाल उठाने के बाद उन्हें अपमानित किया गया। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे ही संजय यादव और रमीज का नाम लिया, उन्हें घर से निकाल दिया गया, गालियां दी गईं और मारा तक गया। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका कोई परिवार नहीं है और जो भी जिम्मेदारी है, वह तेजस्वी और उनके साथियों की है। रोहिणी के मुताबिक, पार्टी की हार के लिए जवाबदेही मांगना उनके खिलाफ हो गया। कौन हैं संजय यादव और रमीज? रोहिणी जिन संजय यादव का नाम ले रही हैं, वह तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिने जाते हैं। हरियाणा में जन्मे संजय यादव 2012 में राजद से जुड़े और 2024 में पार्टी ने उन्हें राज्यसभा भेजा। दूसरी ओर, रमीज को तेजस्वी का पुराना दोस्त बताया जाता है, जिनका संबंध उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से है। रोहिणी ने आरोप लगाया कि इन्हीं दोनों ने उन्हें राजनीति और परिवार दोनों से दूर जाने को कहा।

गुजरात से क्रूड ऑयल मंगाकर बना रहे थे मिलावटी पेट्रोल-डीजल, प्रदेश भर में सप्लाई

एसटीएफ टीम मडराक क्षेत्र में आगरा रोड स्थित पराग पेंट्स एंड केमिकल फैक्टरी पर पहुंची। जहां करीब तीन घंटे तक जांच पड़ताल करते हुए आपूर्ति विभाग की टीम बुलाकर नमूने भरवाए। फिर फैक्टरी पर ताले डलवाकर नमूनों व फैक्टरी संचालक आगरा रोड सासनी गेट के कन्हैयालाल वार्ष्णेय व प्रबंधक सहसवान जरीफ नगर बदायूं के सर्वेश को गिरफ्तार करके साथ ले गई।अलीगढ़ के मडराक की पराग पेंट्स एंड केमिकल फैक्टरी में पिछले

दो दशक से मिलावटी व बायो पेट्रोल-डीजल बनाकर क्रूड ऑयल मंगाया जाता था। सियासी कद्दावरों के एक्सप्लोसिव-रिफाइनरी लाइसेंस की आड़ में संचालित स्तरीय नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को स्थित फैक्टरी का संचालक कन्हैयालाल वार्ष्णेय व पेट्रोलियम ट्रेडर्स एसोसिएशन की ओर से यह शिकायत पेट्रोल-डीजल बेचा जा रहा है। जिससे इस कारोबार डीजल प्रयोग करने वाले वाहनों को भी नुकसान हो शुक्रवार को फिरोजाबाद के एका में एक पेट्रोल पंप पर लोगों ने मिलावटी माल अलीगढ़ से मिलने की टीम मडराक क्षेत्र में आगरा रोड स्थित पराग पेंट्स एंड जांच पड़ताल करते हुए आपूर्ति विभाग की टीम बुलाकर फैक्टरी संचालक आगरा रोड सासनी गेट के कन्हैयालाल सर्वेश को गिरफ्तार करके साथ ले गई। जहां शनिवार प्रदेश भर में बेचा जा रहा था। इसके लिए गुजरात से संरक्षण में फल-फूल रहा यह कारोबार पेट्रो केमिकल- हो रहा था। फिरोजाबाद में एसटीएफ ने इस प्रदेश गिरफ्तार किया है, जिनमें इस नेटवर्क का सरगना मडराक प्रबंधक सर्वेश भी शामिल है।प्रदेश स्तर पर उत्तर प्रदेश शासन में की गई थी कि प्रदेश में मिलावटी व बायो को नुकसान पहुंच रहा है। साथ में मिलावटी पेट्रोल रहा है। इस शिकायत की जांच करते हुए एसटीएफ ने मिलावटी तेल सहित टैंकर पकड़ा था। वहां पकड़े गए जानकारी दी।इसी आधार पर 14 नवंबर शाम एसटीएफ केमिकल फैक्टरी पर पहुंची। जहां करीब तीन घंटे तक नमूने भरवाए। फिर फैक्टरी पर ताले डलवाकर नमूनों व वार्ष्णेय व प्रबंधक सहसवान जरीफ नगर बदायूं के को दोनों को गिरोह के तीन अन्य सदस्यों के साथ मुकदमा दर्जकर कोर्ट में पेश किया गया। एक नजर में अवैध कारोबार 65 रुपये प्रति लीटर में बनकर तैयार होता माल 75 रुपये प्रति लीटर में दलालों को सप्लाई 85 रुपये प्रति लीटर में दलाल देते पंपों को इन जिलों में आपूर्ति।अब तक की पूछताछ में अलीगढ़, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, मैनपुरी, इटावा, मेरठ, हापुड़, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बुलंदशहर, बदायूं, बरेली, अमरोहा, संभल, मथुरा आदि जिलों में भेजे जाने की पुष्टि हुई है। ये तोड़े नियम व नुकसान- फैक्टरी में केमिकल की आड़ में मिलावटी पेट्रोलियम पदार्थ बनाना। अग्निशमन की बिना एनओसी के टैंकर से माल का परिवहन कराना। आपूर्ति, निर्यात व जीएसटी शुल्क की चोरी बड़े स्तर पर की गई है। जिन वाहनों में यह पेट्रोल-डीजल पड़ा, उनका इंजन जल्द खराब। हाईस्पीड व लाइट डीजल पेट्रोल अधिनियम व वितरण अधिनियम तोड़ा। ऐसे चल रहा कारोबार, उगले संचालक-प्रबंधक ने राज एसटीएफ के अनुसार इस फैक्टरी के संचालक कन्हैयालाल वार्ष्णेय व प्रबंधक सर्वेश ने स्वीकारा है कि यह फैक्टरी कन्हैयालाल की पत्नी चित्रा व बेटे गौरव के नाम से है। उन्हीं के नाम से उसके पास पेट्रो केमिकल-एक्सप्लोसिव बिक्री व रिफाइनरी का लाइसेंस भी है। उसने स्वीकारा कि वह रुपये कमाने के लालच में आकर मिलावटी व बायो पेट्रोल डीजल बनाने लगा। उसके यहां कच्चा माल क्रूड ऑयल गुजरात सहित कुछ अन्य जगहों से मंगाया जाता है। जिनमें तय मानकों के अनुसार केमिकल मिलाकर पेट्रोल डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थ बनाया जाता है। दोनों ने पिछले कई वर्ष लगभग दो दशक से इस धंधे के संचालन की बात स्वीकारी है। साथ में विशेषकर पश्चिमी यूपी के जिलों के साथ-साथ पवन सहित कुछ अन्य भरोसेमंद मीडियेटरों के सहारे प्रदेश भर में माल भेजने की बात स्वीकारी है। टैंकरों को फर्जी केमिकल बिल देते थे-दोनों ने स्वीकारा कि जब उनके यहां से टैंकर माल लेकर जाता था, तब उसे वे फर्जी तरीके से केमिकल के बिल देते थे। ताकि रास्ते में कोई पकड़ धकड़ न हो सके। इसी आड़ में यह गोरखधंधा चल रहा था। फैक्टरी में 96 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ मिला शुक्रवार शाम जब एसटीएफ टीम यहां पहुंची, तब आपूर्ति विभाग से निरीक्षक कृष्णवीर सिंह, दिनेश पटेल व विपुल प्रताप सिंह को बुलाया गया था। उनके द्वारा एसटीएफ को फैक्टरी में अलग अलग माल के छह नमूने लेकर दिए गए। उस समय फैक्टरी में 13 टैंकों में पेट्रोलियम पदार्थ था। तीन-तीन चैंबरों वाले टैंकों में 96 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ होने का अनुमान है। इसके अलावा आठ छोटे ड्रमों में भी माल मिला है।

'आप मुझ पर बुलडोजर चला दो': मकान तोड़ने पहुंचे अफसरों के सामने आई महिला, बोली- मेरे मुस्लिम होने...;

वाराणसी के दालमंडी में चौड़ीकरण को लेकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई बीते 29 अक्तूबर से चल रही है। बीते शनिवार को जब प्रशासन पहुंचा तो दुकानदारों ने थोड़ी नाराजगी दिखाई। एक महिला से अफसरों की तीखी बहस भी हुई।शनिवार को पीडब्ल्यूडी और प्रशासन की टीम दालमंडी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पहुंची। सुबह करीब 12 बजे पहुंची टीम ने भवन संख्या डी 50/207 पर कार्रवाई शुरू की तो भवन स्वामी मोहम्मद शाजिद और मोहम्मद के लिए समय वाजिद ने खाली करने मिनट का मांगा।टीम ने 10 बाद समय दिया। इसके कार्रवाई शुरू ध्वस्तीकरण की मदद से तीन कर दी। हथौड़ा की किया गया मंजिला मकान ध्वस्त और आठ दुकानें गिराई गईं।टीम ने मकान में ऊपरी मंजिल पर पांच मजदूर लगाकर तोड़फोड़ शुरू की गई। टीम ने ऊपर जाने के लिए ताला की चाबी मांगी लेकिन नहीं मिली। इसके बाद ताला तोड़कर कार्रवाई शुरू की गई। करीब आठ घंटे तक चली कार्रवाई में मकान और आठ दुकानें तोड़ दी गईं। इसी भवन के सामने चार मंजिला मकान सीके 67/27 भी अवैध घोषित है। टीम यहां तोड़ने गई तो यहां मकान मालिक नसीमा बनो ने विरोध करना शुरू कर दिया। करीब आठ घंटे तक चली कार्रवाई में मकान और आठ दुकानें तोड़ दी गईं। इसी भवन के सामने चार मंजिला मकान सीके 67/27 भी अवैध घोषित है। टीम यहां तोड़ने गई तो यहां मकान मालिक नसीमा बनो ने विरोध करना शुरू कर दिया। पिछले दिनों वीडीए ने 12 मकानों को चिह्नित किया था, उसी में से यह एक मकान था। कार्रवाई के दौरान दालमंडी में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, दोनों तरफ से बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया गया था। इस दौरान आगे का मार्केट खुला हुआ था और दालमंडी जाने वाले सभी गलियों में जाम की स्थिति थी। वीडीए के अफसरों ने बताया कि शनिवार को तीन मकान गिराए जाने थे लेकिन एक पर ही कार्रवाई हो सकी है। बाकी के दो मकानों पर रविवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी।भवन सीके 67/1 सईद इल्ले अली का मकान है। इसमें दस दुकानें हैं। यहां भवन स्वामी ने थोड़ा समय मांगा है, टीम ने उन्हें खाली करने का समय दे दिया है। इस दौरान एसीपी दशाश्वमेध और एसीपी कोतवाली के साथ पीएससी भी मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

नगला पतेल में टूयवैल पर लगे ट्रांसफार्मर से सामान चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच / अलीगढ़ अकराबाद = नगला पतेल के निकट खेतों में लगे टूयवैल पर ट्रांसफार्मर से चोर कीमती सामान निकाल कर ले गए मामले में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया है। जिसमें कहा है कि सुबह जब खेत पर गया तो देखा टयूवेल पर लगा ट्रान्सफार्मर नीचे खेत मे गिरा पड़ा था। जिसके अन्दर का तेल वहां फैला हुआ था और उसके अन्दर के तार समेत अन्य उपकरण गायब थे। रात में अज्ञात चोरों द्वारा ट्रान्सफार्मर को खोलकर उसके अन्दर का सामान चोरी कर लिया गया है।मामले में पीड़ित लोकेंद्र पुत्र विनोद कुमार निवासी निजामतपुर बोरना थाना महुआ खेडा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पत्नी का गला घोंटकर नहर में फेंका, बोला- न जाने कहां चली गई, हुआ खौफनाक खुलासा, लड़की का निकला चक्कर

इंदिरापुरम कालोनी निवासी रीता की पति हरिनंदन ने गला घोंटकर हत्या कर दी और कह दिया है कि वह लापता हो गई है। पुलिस ने जांच की तो मामला खुलकर सामने आ गया। पुलिस ने पति समेत पांच आरोपी गिरफ्तार किए हैं। छह महीने से लापता चल रही इंदिरापुरम कालोनी निवासी रीता (26) की हत्या कर शव गंगनहर में फेंका गया था। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए परतापुर थाना पुलिस ने पति सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पुलिस ने हत्यारोपी पति हरिनंदन, सास रामपरी, ससुर शंभुशरण, देवर दिपांशु और कार चालक प्रवेश शामिल हैं। जांच में सामने आया कि पति के प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर रीता की हत्या की गई। उसके लापता होने की कहानी बनाकर पति मुंबई में अपने दोस्त के पास जाकर छिप गया था।सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि मूलरूप से बिहार के दरभंगा जिले के सिहोल थाना क्षेत्र के विरोज गांव निवासी हरिनंदन यादव पत्नी रीता के अलावा तीन वर्षीय बेटी आयुषी के साथ परतापुर की इंदिरापुरम कॉलोनी में रह रहा था। वह परतापुर की एक कंपनी में काम करता था। इसी वर्ष 24 मई को रीता के पिता गणेश ने परतापुर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो सर्विलांस के माध्यम ने हरिनंदन का फोन मुंबई में ट्रेस किया गया। वहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सीओ के अनुसार पूछताछ में हरिनंदन ने बताया कि उसका एक महिला से प्रेम-प्रसंग हो गया था। इसकी जानकारी रीता को लगी तो वह लड़ाई करने लगी। कुछ दिन बाद उसने रीता को हरिद्वार घुमाने के बहाने ले जाकर उसकी हत्या कर दी और शव खतौली गंगनहर में फेंक दिया। इसके बाद वह बेटी को लेकर दरभंगा पहुंचा और ससुर गणेश को रेलवे स्टेशन से रीता के लापता होने की झूठी सूचना दी। ऐसे दिया वारदात को अंजाम-हरिनंदन ने बताया कि उसने अपने दोस्त परतापुर निवासी प्रवेश की कार किराए पर बुक की थी। इसके बाद पत्नी रीता को हरिद्वार में घुमाने ले जाने के बारे में कहा। वह उसे कार से ले गया। रास्ते में खतौली में एक सुनसान जगह पर कार रोकी। कार में ही रीता की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को गंगनहर में फेंक दिया। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि महिला के शव की तलाश की जा रही है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अब सुदर्शन चक्र चलेगा, तेज प्रताप यादव का रोहिणी आचार्य के अपमान पर बड़ा एलान

रोहिणी आचार्य के अपमान पर उनके भाई तेज प्रताप का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारी बहन का जो अपमान करेगा उस पर कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा। रोहिणी के बयान के बाद अब लालू परिवार में घमासान मच गया है। रोहिणी आचार्या के यादव का बयान सामने आया है, जिसमें वह गुस्से में नजर करेगा उस पर कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा। तेज प्रताप वह अपनी जगह बिल्कुल सही कह रही हैं। एक मां होने उन्होंने जो सराहनीय काम उन्होंने किया है, वह शायद ही हमारे लिए और सभी महिलाओं के लिए ये पूरे तरीके से ये इतिहास रहेगा और इतिहास के पन्नों में मेरी बहन का नाम एयरपोर्ट पर अपने अपमान की बात कही थी। उन्होंने से अलग हो गई हूं। पूछने पर उन्होंने दो नाम लिया और वाले संजय यादव और रफीज से पूछिये, तेजस्वी यादव से पर चप्पल से मारा जाता है, अपमानित किया जाता है और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसके बाद आज हर

घर और पार्टी छोड़ने के बयान के बाद अब तेज प्रताप आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बहन का जो अपमान यादव ने आगे कहा कि रोहिणी दीदी जो बात कह रही है, के नाते, एक महिला होने के नाते, एक बहन होने के नाते कोई बेटी या कोई बहन या कोई मां कर सकती है। यह पूजनीय हैं और सदैव इनकी चर्चा कि जाएगी। यह एक सुनहरे पन्नों में रहेगा।रोहिणी आचार्या ने सबसे पहले कल अपनी बातों में कहा कि मैंने अपना मायका और राजद पार्टी कहा कि यह बात अब आपलोग खुद को चाणक्य कहने पूछिये। अब तो स्थिति यह हो गई है कि इनका नाम लेने घर से निकाला जाता है। रोहिणी आचार्या ने फिर आज जगह इसकी चर्चा हो रही है। उन्होंने लिखा कि, कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूँ और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी , करोड़ों रूपए लिए , टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी .. सभी बेटी - बहन , जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा - भाई हो , तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं , अपने भाई , उस घर के बेटे को ही बोले कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे .. सभी बहन - बेटियां अपना घर - परिवार देखें, अपने माता - पिता की परवाह किए बिना अपने बच्चे , अपना काम, अपना ससुराल देखें , सिर्फ अपने बारे में सोचें .. मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनो बच्चों को नहीं देखा , किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली .. अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया .. आप सब मेरे जैसी गलती , कभी , ना करे किसी घर रोहिणी जैसी बेटी ना हो।

अपने घर में 15 साल बाद भारत को दक्षिण अफ्रीका से मिली हार, तीन ही दिन में कोलकाता टेस्ट गंवाया

तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई थी और उसने 123 रनों की बढ़त लेकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ऑलआउट हो गई।तेम्बा को पहले टेस्ट मैच में 30 रन से हरा दिया है। भारतीय टीम ने पहली पर वापसी की और भारत को हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की घरेलू जमीन पर टेस्ट मैच गंवाना पड़ा है। पूरे दो सत्र भी नहीं टिक ऑलआउट हुई थी और उसने 123 रनों की बढ़त लेकर भारत के सामने रही और टीम दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की नहीं पहुंच सके। भारतीय टीम के बल्लेबाज पूरे समय संघर्ष करते नजर जमीन पर द.अफ्रीका ने जीता टेस्ट- दक्षिण अफ्रीका के लिए इस टेस्ट भारतीय जमीन पर फरवरी 2010 में टेस्ट मैच जीता था। उस वक्त टीम खिलाफ भारत में आठ टेस्ट मैच खेले जिसमें से भारतीय टीम ने सात ने इस तिलिस्म को तोड़ा और 15 वर्षों का सूखा समाप्त करने में सफल करते हुए टीमें कम ही सफल होती हैं। ईडेन गार्डेंस में सबसे सफल रनों का लक्ष्य हासिल किया था। इसके बाद इस मैदान पर कभी 100 से में इस मैदान पर टेस्ट मैच का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का मौका चमक बरकरार- इस मैच में दक्षिण अफ्रीका जीत दर्ज कर सकी तो आधार पर बढ़त ली थी और फिर दूसरी पारी में गेंदबाजों ने मेहमान अर्धशतक लगाया जिससे टीम भारत के सामने 120+ रन का लक्ष्य उन्होंने 11 टेस्ट मैच में टीम की कमान संभाली है जिसमें से 10 में टीम करते हुए भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम ने एक रन के वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने संभालने की कोशिश की, लेकिन

बावुमा की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए भारत पारी में 30 रनों की बढ़त ली थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के दम बढ़त ले ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 साल में पहली बार भारत को सकी भारतीय टीम तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के छह बल्लेबाज दहाई अंक तक भी आए और पूरे दो सत्र भी बल्लेबाजी नहीं कर सके।2010 के बाद भारतीय मैच में जीत हासिल करना विशेष है। उसने इस मैच से पहले आखिरी बार ने भारत को पारी और छह रनों से हराया था। इसके बाद उसने भारत के मैच जीते, जबकि एक ड्रॉ रहा। लेकिन बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका रही। ईडन गार्डेंस में मुश्किल है चेज- ईडेन गार्डेंस में टेस्ट में लक्ष्य का पीछा लक्ष्य की बात करें तो 2004 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 117 अधिक रनों का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका है। भारत के पास इस मैच था, लेकिन टीम इसमें सफल नहीं हो सकी। कप्तान के तौर पर बावुमा की उसका सबसे बड़ा कारण कप्तान बावुमा है। भारतीय टीम ने पहली पारी के टीम को सस्ते में रोक दिया था। लेकिन बावुमा टिके रहे और उन्होंने नाबाद रखने में सफल रही। कप्तान के तौर पर वह अब तक अपराजेय चल रहे हैं। को जीत मिली है। खराब शॉट खेलकर आउट हुए अक्षर- लक्ष्य का पीछा स्कोर पर यशस्वी और केएल राहुल दोनों के विकेट गंवा दिए थे। भारत को यह साझेदारी भी ज्यादा देर नहीं चली। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन वाशिंगटन सुंदर ने बनाए जो 31 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने केशव महाराज पर लगातार चौके-छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाने की कोशिश भी की, लेकिन खराब शॉट खेलकर वह पवेलियन लौट गए। अक्षर के पास क्रीज पर टिके रहकर मैच जिताने का मौका था, लेकिन वह जल्दबाजी में अपना विकेट गंवा बैठे। भारतीय बल्लेबाजों पर भारी पड़े दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर- अक्षर को आउट करने के बाद केशव ने मोहम्मद सिराज को आउट कर भारत की पारी ढेर कर दी। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी नहीं करने उतरे। मालूम हो कि गिल दूसरे दिन बल्लेबाजी करते वक्त चोटिल हो गए थे जिसके बाद उन्हें शनिवार की रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों पर भारी पड़े। भारत के लिए वाशिंगटन और अक्षर के अलावा रवींद्र जडेजा ने 18, ध्रुव जुरेल ने 13, ऋषभ पंत ने 2, केएल राहुल ने 1 और कुलदीप यादव ने 1 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना नाबाद लौटे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, एडेन मार्करम को एक विकेट मिला।

पहले बांका से पत्नी को काट डाला... फिर उठाया खौफनाक कदम, बेटे-बहू की लाशें देख चीत्कार उठे घरवाले

रायबरेली में युवक ने पहले बांका से काटकर पत्नी की हत्या कर दी। फिर फंदे से झूलकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बेटे-बहू की लाशें देखी तो घरवाले चीत्कार उठे।यूपी के रायबरेली में सुरजीपुर निहस्था गांव निवासी भीमराज उर्फ भीकू (32) ने शुक्रवार रात बांके से गला काटकर पत्नी सोनी देवी (28) की हत्या कर दी। इसके बाद खुद फंदे से लटक गया। शनिवार सुबह काफी देर तक जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने तोड़ा। भीतर का नजारा देखकर सभी दंग रह गए।रामनाथ के मुताबिक, बेटे भीमराज की शादी वर्ष 2014 में लालगंज कोतवाली क्षेत्र के सेमरपहा निवासी सोनी के साथ हुई थी। भीमराज की साली की शादी 25 नवंबर को है। उसी सिलसिले में बेटा, बहू व तीन बच्चे सेमरपहा गए थे। शुक्रवार शाम बेटा-बहू गांव लौटे थे।रामनाथ ने बताया कि शाम को भोजन के बाद दोनों बाग में बने कमरे में चले गए। शनिवार सुबह करीब 6 बजे वह पहुंचे तो दरवाजा भीतर से बंद था। आवाज देने पर कोई नहीं बोला। सोचा कि बहू-बेटा सो रहे होंगे। दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे गांव के लोग- सुबह 6.30 बजे फिर आवाज लगाने पर जवाब नहीं मिला तो आसपास के लोगों को जानकारी दी। छत पर चढ़कर जीने का दरवाजा तोड़कर लोग अंदर गए तो देखा कि बहू का शव खून से लथपथ चारपाई पर पड़ा है। बेटे का शव कमरे के अंदर रस्सी के सहारे छत के कुंडी से लटका था। खीरों के कार्यवाहक थाना प्रभारी कृष्णचंद्र व सीओ लालगंज अमित सिंह मौके पर पहुंचे। एएसपी व फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। एएसपी संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि दंपती में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी वजह से भीमराज ने पहले बांके से गला काटकर पत्नी की हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली। घटनास्थल से बांका बरामद कर लिया गया है। परिवार का इकलौता पुत्र था भीमराज- बेटे व बहू की मौत से रामनाथ के आंसू नहीं थम रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम लोग मजदूरी करते हैं। कभी कोई ऐसी बात नहीं थी, जिसकी वजह से इतनी बड़ी नौबत आती। पता नहीं यह सब कैसे हो गया। भीमराज घर का इकलौता पुत्र था। एक बहन है, जिसकी शादी हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार भीमराज बहुत गुस्सैल था। बात-बात पर नाराज हो जाता था। ...तो घटना को सुनियोजित तरीके से दिया अंजाम घटना को देखकर कयास लगाया जा रहा है कि भीमराज ने पहले से ही वारदात को अंजाम देने की योजना तैयार कर ली थी। यही वजह रही कि तीनों बच्चों शिवम (9), शुभि (7) और शिवांश (4) को ससुराल में ही छोड़ आया था। पत्नी सोनी देवी के साथ घर लौटा। ग्रामीणों के अनुसार भीमराज बच्चों से बहुत प्यार करता था। पत्नी से नाराज रहता था। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि रुपये की लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था।

गैंगस्टर नवाब और नीलू पर रंगदारी की एफआईआर, दो साल बाद भट्ठा संचालक ने दर्ज कराई रिपोर्ट

दो साल बाद भट्ठा संचालक ने गैंगस्टर नवाब और नीलू पर रंगदारी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। बताया कि डर की वजह से परिवार समेत पलायन कर गया था।किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में बांदा जेल में बंद गैंगस्टर पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव व कौशांबी जेल में बंद उसके भाई नीलू यादव समेत आठ नामजद व 13 अज्ञात पर दो साल बाद शनिवार को लूट व रंगदारी की एफआईआर दर्ज की गई है। वादी भट्ठा संचालक ने कारण बताया कि डर की वजह से वह पलायन कर गया था। जब पता चला कि दोनों जेल में हैं, तब उसने शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जेल में बंद रहते हुए दोनों के खिलाफ यह तीसरा मुकदमा दर्ज किया गया है।शहर के मोहल्ला छिपट्टी निवासी विशाल यादव ने बताया कि 19 नवंबर 2023 को देवधरापुर स्थित ईंट भट्टे पर मौजूद थे। उनके साथ में सहव्यापारी देवेश कटियार और मुनीम रंजीत यादव भी थे। उसी समय अड़ंगापुर निवारी पूर्व ब्लॉक प्रमुख नीलू यादव, गांव के ही सचिन यादव, रामपुर मजरे निवासी सुरजीत यादव व प्रदीप यादव, यूसुफपुर भगवान निवासी विराट मौर्या व कुतलूपुर मकरंदनगर निवासी शिवम दुबे उर्फ सोमू अपने 13 अन्य साथियों के साथ पहुंचे। पहुंचते ही आरोपियों ने रंगदारी की मांग की।इसके बाद आरोपियों ने गोलक में रखे डेढ़ लाख रुपये निकाल लिए। व्यापारियों के विरोध करने पर आरोपियों ने असलहे दिखाकर चुप करा दिया। इतनी ही नहीं आरोपियों ने लाठी-डंडों से बुरी तरह से पीटा। घायल व्यापारियों ने घटनास्थल से भागकर जान बचाई। आरोपियों ने उनके प्रतिष्ठान पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। विशाल ने बताया कि कोतवाली जाकर तहरीर दी लेकिन पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब और नीलू यादव के राजनीतिक रसूख होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं की गई।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने भारत-नेपाल सीमा का जायजा लिया

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दिल्ली ब्लास्ट के बाद से जनपद में हाई अलर्ट के चलते जिला प्रशासन बार्डर वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरत रहा है। सुरक्षा व्यवस्थाओ का निरीक्षण करनें के लिए जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने थाना मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत तिकोनी तिराहा भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का भ्रमण कर सीमा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सीमा पर तैनात पुलिस बल एवं एसएसबी अधिकारियों से समन्वय बनाकर प्रभावी रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमा के विभिन्न चेक पोस्टों की स्थिति परखते हुए भारत-नेपाल सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों जैसे तस्करी, मानव तस्करी एवं संदिग्ध आवागमन को रोकने हेतु सतर्कता और बढ़ाने पर जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि सीमा पर सुरक्षा चौकसी किसी भी स्थिति में ढीली नहीं होनी चाहिए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर निरंतर पैनी नजर रखी जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित पुलिसबल को निर्देशित किया कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा से संबंधित कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें जिससे सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत की जा सके। इस दौरान पुलिस विभाग एवं एसएसबी के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अरंडी का बीज खाने से 30 बच्चों की हालत बिगड़ी संयुक्त जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती भिन्गा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम केशवापुर में गांव के कई बच्चे खेतों में खेलने के लिए गए थे इस दौरान बच्चों ने वहा लगे अरंडी के पेड़ पर लगे फल को तोड़कर छीला तो देखा कि उसमें मूंगफली जैसे दाने हैं जिसे बच्चों ने चखना शुरू कर दिया चखते चखते बच्चों ने एक के बाद एक कई बीज खा लिए साथ हीं बचे दानों को वह अपने साथ घर ले आये जिसे अन्य बच्चों को भी खिला दिया। देर रात सभी को पेट दर्द उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी आनन फानन में परिजनों ने एम्बुलेंस बुलाकर सभी को संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा पहुंचाया गया जहां पर सभी का ईलाज चल रहा है। जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मौजूद डॉक्टर एम. एम. सोनकर ने बताया कि लगभग तीस बच्चे पेट दर्द व उल्टी-दस्त से पीड़ित होकर अस्पताल में भर्ती हुए हैं ये बच्चे अभी कुछ बता नहीं पा रहे हैं लेकिन इन बच्चों ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि 20 बच्चों की हालत में सुधार आ चुका है जबकी अब भी 10 बच्चों की हालत थोड़ी गम्भीर बनी हुई है सभी बच्चे हमारे वार्ड में चिकित्सीय देख रेख में है वे जल्द स्वस्थ होने के बाद अपने अपने घरों को जा सकेंगे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में श्रावस्ती तृतीय स्थान पर

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने बताया है कि जनपद ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की माह अक्टूबर 2025 की रैंकिंग में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में जनपद श्रावस्ती ने प्रथम बार तीसरा स्थान हासिल किया है, जो कि जनपद की गरीबी उन्मूलन में सुधार को परिलक्षित करता है। प्रदेश में जनपद वाराणसी प्रथम व अम्बेडकरनगर द्वितीय स्थान पर रहें। उन्होंने यह भी बताया कि जिले की 7391 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 80 हजार से अधिक ग्रामीण गरीब महिला परिवार आजीविका से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर हैं। सितम्बर माह में श्रावस्ती 10वें स्थान पर था और जनपद ने उल्लेखनीय सुधार करते हुए यह सफलता अर्जित की है। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद के कुशल मार्गदर्शन में टीम, ब्लॉक स्तर के कार्मिकों तथा सदस्यों की सहभागिता के फलस्वरूप यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। उपायुक्त स्वत: रोजगार ने बताया कि रलक्ष्की नियमित बैठकों, बैंक लिंकज और क्षमता निर्माण गतिविधियों को सुदृढ़ करने से बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। आगे प्रोड्यूसर ग्रुप गठन, ट्रांजैक्शन कैप्चरिंग, विद्युत सखी चयन एवं आजीविका गतिविधियों पर विशेष ध्यान देते हुए लक्ष्य रखा गया है कि श्रावस्ती जनपद आगामी माह की रैंकिंग में इससे बेहतर स्थान प्राप्त करें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Gray hair will turn naturally black, just make this hair dye from Amla; the method is quite simple.

Are you worried about graying hair? If so, instead of using chemical hair dyes, try using a natural hair dye made from Amla. Yes, the same Amla, also known as Indian Gooseberry. It not only nourishes hair but also helps prevent premature graying and naturally darken it. Amla is rich in vitamin C and antioxidants. You can use it to make a natural hair dye at home. Amla hair dye will give your hair a deep black color. Is repeated use of chemical dyes making your hair weak and lifeless? If so, it's time to prepare and store a natural hair dye at home. Yes, Amla hair dye nourishes your hair from within and has the power to turn it naturally black (Hair Dye for Natural Black Hair). In this article, let's learn how you can easily make a natural hair dye at home that will give your gray hair a deep, black, and shiny color. Believe me, after learning this recipe (DIY Amla Hair Dye), you won't even consider any other dye. Ingredients for Making Amla Hair Dye To make this natural hair dye, you'll need very few ingredients that are readily available: Amla powder: 2 to 3 tablespoons (depending on hair length). An iron skillet: This skillet helps combine with the amla to create a deep black color. Henna or indigo powder: 1 to 2 tablespoons (optional, for a darker color). Water or tea water: To make a paste. The easy way to prepare Amla Hair Dye is to make this dye very easy. The most important step is to leave it overnight. First, place the iron skillet on low heat. Add amla powder and lightly fry until it turns a deep black color. Do not let it burn. Once the amla powder cools, leave it in the pan. Add water or tea water (boiled tea leaves and strained water) as needed to form a thick and smooth paste. Cover the pan and leave this paste for at least 8 to 10 hours or overnight. When placed in an iron pan, the amla reacts and leaves a deep black color, which will give your hair a natural color. The correct method of application and washing: This natural dye will be effective only if applied correctly. The next morning, wear gloves and apply the prepared dye thoroughly to the gray areas of dry or slightly damp hair. Apply it from roots to ends, just like you would with normal hair dye. Leave this paste on your hair for at least 2 to 3 hours. Use only plain water to rinse. Avoid shampoo immediately, as this may lighten the color. Shampoo after 24 to 48 hours. This natural remedy will gradually give your hair a deep, natural black color. Repeat this process once or twice a month for best results.

Glycerin or cold cream: which is better for dry skin in winter?

With the arrival of winter, skin becomes dry and lifeless. Cold winds strip away moisture, and so everyone wonders whether to apply glycerin or rely on their old cold cream. Let's understand how both work and find out which is better for your skin (Glycerin vs. Cold Cream). Glycerin is a humectant that draws moisture to the skin. Often, people don't know the correct use of glycerin or cold cream. By keeping a few key points in mind, you can take care of your skin in winter. Cold winter winds rob our skin of moisture, leaving it dry, lifeless, and cracked. Therefore, two essential ingredients are found in every home: glycerin and cold cream... But the question is, which of these two is the best friend for dry skin, providing the most benefits? Let's understand how these two work in simple terms. Glycerin Glycerin is scientifically known as a "humectant." Its main function is to draw moisture from the air and the inner layers of the skin and lock it in the upper layer. It deeply hydrates the skin, instantly eliminating dryness and tightness. It is lightweight and is considered good for oily or acne-prone skin, as it doesn't also clog pores. Note that it can feel a bit sticky when applied directly and thickly. Therefore, it is often recommended to mix it with rose water. Cold Cream Cold cream is often made from a mixture of oil and water. Its main function is to create a protective layer over the skin. This layer prevents air from robbing the skin of moisture and locks in the skin's natural moisture. It instantly soothes dryness and roughness and provides instant relief to excessively dry or chapped skin. It is also great for aging skin as it replenishes the oil in the skin. Cold cream is very thick, so people with oily skin may find it sticky or heavy and may also cause acne. Which is better for you? - Actually, it depends on your skin type: Skin type Why best option? - Oily or acne-prone skin Glycerin: It is light, moisturizes and does not clog pores. Apply it with rose water. Normal to dry skin Cold cream: It locks in moisture and keeps the skin soft all day long. For very dry skin Cold cream or glycerin + rose water Cold cream will provide a thick protective layer, while glycerin will deliver deep moisture.

Do you always remain silent, thinking, "What will the other person think?" Read 7 amazing benefits of speaking your mind openly.

Have you ever wanted to say something, but couldn't find the right words, and your feelings remained unspoken? Or has a misunderstanding soured your cherished relationship? In fact, the solution to all the problems in our lives often lies in one place. Yes, in your communication skills. Expressing your feelings clearly builds trust. This habit can deepen your relationships. It also boosts self-esteem and self-confidence. Often, we feel a lot in our hearts, but cannot express them in words. Sometimes fear, hesitation, or the thought, "What will the other person think?" keeps us quiet. But the truth is, expressing yourself clearly and respectfully not only strengthens relationships but also improves confidence and mental health. Let's explore the positive changes that occur in life if we learn to express ourselves clearly and politely. Increased trust and closeness in relationships - Open communication is the foundation of every strong relationship. When we express our feelings honestly and listen to others, misunderstandings are resolved and trust deepens. Those who can speak their minds from the heart have long-lasting relationships because they are characterized by transparency and mutual respect. Increased self-esteem and self-confidence - When we express our thoughts without fear or hesitation, a sense of satisfaction arises within us: "I have said my piece." This feeling strengthens self-esteem. Gradually, self-confidence also increases, and a person begins to feel that their opinion is also important. This feeling makes them more assertive and balanced in every situation. Helps in resolving differences - It's natural to have disagreements in life—whether in family, friendships, or at work. But the art of proper communication prevents these differences from becoming conflicts. When we express our views calmly and clearly, the other person is more willing to listen. This way, the conversation becomes a means to a solution, not a problem. It's easier to understand yourself - Good communication shouldn't just be with others, but also with ourselves. When we try to understand our thoughts and feelings, we gain clarity within. This self-dialogue helps us recognize our desires, weaknesses, and strengths. Gradually, we become more honest and aware of ourselves—the first step towards personal growth. Mental stress and anxiety are reduced - When we suppress our emotions, they cause internal stress. But if we learn to express them in the right words, our mind feels lighter. Communication is a way to release negative energy accumulated within us. It significantly reduces anxiety, loneliness, and mental fatigue. It also impacts physical health - You'll be surprised to know that clear communication also benefits our body. People who engage in meaningful conversations experience reduced stress, better sleep, and normal blood pressure. In the long run, this habit can reduce problems like heart disease, headaches, and insomnia. Better communication is the key to success—communication is crucial even in the professional world. In any job or leadership role, your ability to express your views is more important than your technical abilities. A good communicator inspires their team, resolves conflicts, and fosters an atmosphere of trust. These qualities propel them forward. Speaking clearly isn't about dominating, but about expressing our feelings respectfully. When we neither ignore others nor suppress ourselves, this balance strengthens us—both internally and externally. So, the next time you want to speak, don't hesitate—say it clearly, concisely, and truthfully.

Vicky Kaushal became Katrina Kaif's lover because of this TV actor, who lit the 'spark' of love between them?

Katrina Kaif and Vicky Kaushal are one of Bollywood's most lovable couples. It's said that Karan Johar played a major role in their love story reaching its destination. However, Vicky himself has now revealed that it wasn't Karan, but this TV actor who introduced him to Katrina Kaif for the first time. Vicky found true love because of this TV actor. He arranged their first meeting with Katrina Kaif - who became Cupid in their love life? Vicky Kaushal and Katrina Kaif's love story was quite shocking for fans. It's said that their love story began at an awards function. Many even believe that Karan Johar is the 'Cupid' of their love story, as Katrina first talked about Vicky Kaushal on his show. However, this is not the case, because it was not Karan but a TV actor who helped in taking the love story of Katrina Kaif and Vicky Kaushal forward. Recently, Vicky himself revealed who was the reason he was able to meet Katrina Kaif for the first time. This actor introduced Vicky and Katrina - Vicky Kaushal recently appeared as a special guest on Kajol and Twinkle Khanna's show 'Two Much with Twinkle and Kajol', and it was there that he revealed how he and Katrina Kaif first met and how the spark of love ignited between them. Recalling the moment of meeting Katrina Kaif, Vicky said, "I first met her at an awards function where I was the host. I performed Katrina's song 'Chikni Chameli', after which I went backstage. Sunil Grover introduced us to each other for the first time. Within five minutes of meeting, Katrina Kaif started teaching me how to host." Katrina has shared the screen with Sunil Grover. Let us tell you that Katrina Kaif and Sunil Grover and Katrina Kaif share a good friendship. They worked together in Salman Khan's film "Bharat." Vicky further revealed that his second encounter with Katrina Kaif was at an awards function, where, during a segment, he jokingly said to the actress, "Why don't you find a nice guy like Vicky and marry him?" However, the two weren't dating at that time. However, the couple's first meeting, arranged by Sunil Grover, did open up. The fun gradually escalated, and they spent a lot of time together at Zoya Akhtar's party, sparking rumors of them dating. After dating for some time, they married on December 9, 2021. Today, Katrina Kaif and Vicky Kaushal are parents.

Beware! The climax of this crime thriller will blow your mind; this suspense-filled movie is trending on OTT platforms.

Viewers have no shortage of content on OTT platforms. They can find films of any genre they desire. This week, one such film is trending on OTT platforms. Its powerful climax will blow your mind. This movie won't leave you bored even for a minute. What's the story of the movie? Let's find out: This suspense-filled movie will blow your mind. IMDB also gave the film a rating of 8.5 - This movie is trending on this OTT platform. Suspense-filled films are very popular with audiences. Thanks to OTT, fans no longer have to wait weeks for their favorite films to be released in theaters. Currently, one such crime thriller film is making waves on OTT. The suspense in this South Indian film is so intense that you won't be able to leave your seat for 2 hours and 19 minutes. Which is the number one OTT movie currently, and on which platform can you watch it? Read the full details below: What is the story of this suspenseful movie? The story of this movie is about an uncle and his niece, who, after the death of his elder brother, takes on the responsibility of his sister-in-law and daughter. He is a government officer, but his life is dedicated to his niece. He upsets his girlfriend, but refuses to let his "Sundari" leave school alone. One day, Iswaran, a resident of Palani, Tamil Nadu, and his niece, Poorni, plan to go deer-watching in the forest, but change their minds after seeing her uncle outside the school. The next day, when "Sundari" meets Poorni at school, he notices a change in her, which Sundari tells her uncle about. Iswaran leaves his niece standing outside the school and takes Poorni on his bike. Terrified by the rape, Poorni is afraid to touch her uncle's friend, and someone captures a video of them, placing the entire blame squarely on Iswaran. Meanwhile, after the video evidence, Iswaran's sister-in-law begins to distance herself from her daughter, Sundari, and one day, she personally drops her off at school. The following evening, the girl leaves school alone and is abducted on the way. It's this very person who spreads fear throughout Palani. To find out who is behind the girl's disappearance and how the two rapists are different, you'll have to watch this film. Which OTT platform can you watch the movie on? This trending OTT movie is titled Chiththa, a Tamil word. The movie beautifully depicts the lengths an uncle will go to for his niece. The movie also stars Siddharth, Nimisha Sajayan, and Anjali Nair in lead roles. You can watch the film on JioHotstar. IMDb also gave the movie a rating of 8.5 out of 10.

Don't think we're naive, sir! Children under 14 are more active on OTT platforms.

In this context, cinema has also played a significant role in children's development. Many films have been made that not only provided child actors with the opportunity to showcase their talent but also provided valuable learning. However, with the changing times of cinema and the advent of OTT platforms, the number of films made for children has decreased. Why have opportunities for child actors decreased? This is the percentage of children under 14 who are active on OTT platforms. Children's stories are disappearing in this changing era of cinema. Hindi cinema has produced many films specifically targeted at children, including Makdee, Bhootnath, Chillar Party, and I Am Kalam. However, in recent years, there has been a decline in the production of such films. As a result, children are increasingly watching family films aimed at adults. On the occasion of Children's Day, Dainik Jagran examines the need for such films, filmmakers' inclinations, and the potential of this genre: Very few films are made for children. In the 2008 film Bhootnath, child actor Aman Siddiqui, playing Banku opposite Hindi cinema's megastar Amitabh Bachchan, attracted as much attention as Big B. The film was seen by both children and adults, and it was a superhit. Along with entertainment, it also conveys a sweet message by the end. Similarly, films like Chillar Party, I Am Kalam, and Taare Zameen Par also teach or inspire children. Aamir Khan, the perfectionist of Hindi cinema, who directed the film Taare Zameen Par, says, "Our Hindi film industry makes very few films about children. This is sad. The industry thinks there's no market for children's films, but I don't believe that. There are so many children in the country, so why isn't there a market?" It's not that our children don't consume content; they do watch Disney films. This means there's a market, but we don't know how to make films for that market. We should create good Indian content for our children; right now, we show them dubbed Western content.' Child actors are getting fewer opportunities With the decline in films made for children, the opportunities available to child actors are also decreasing. Child actor Yagya Bhasin, who played Chhota Bheem in the film Chhota Bheem and the Curse of Damyaan, says, "Children naturally don't have many roles in adult films. Most of the story centers on the stars or adult actors. Child actors only have a few scenes. This is reducing the opportunities for child actors to advance." I would like to appeal to filmmakers that children also constitute a large audience, so they should not be ignored. Films are profitable: Good films made with children in mind are also profitable from a ticket window perspective. Last year, an Ormax Media report stated that children (under 14) account for 16 percent of the total audience on digital platforms, meaning this audience is not a small segment. Vivek Sharma, director of the film Bhootnath, says, "The corporate and star system is responsible for the decline in children's films. Some producers have destroyed real cinema by promoting the star system. In Bhootnath, I made a child star in the role of Banku and pitted him against Amitabh Bachchan. It's not that children's films aren't profitable for filmmakers. Children never come to see films alone; they bring their parents along. Therefore, if a film is good, three or four tickets are sold at once. Such films generate huge business. My upcoming films, Chullu Bhar Pani and Ka Kha Ga Gha Nanga, both appeal to the child audience." "A great medium of inspiration - Cinema can be a powerful tool to educate children about their country, culture, civilization, and roots. The 2010 film I Am Kalam tells the story of a child laborer who dreams of one day becoming like Dr. APJ Abdul Kalam (former President). Actor Harsh Mayer, who played Chhotu aka Kalam in the film, says about his work as a child actor in this film, "It's important to show children inspiring stories through films. Young children can only watch such films; they are not allowed to watch other films. Many young people told me that they went to see I Am Kalam on behalf of their school. However, it's also sad that such films are no longer being made." Vivek Sharma, meanwhile, says that through cinema, you can introduce children to our culture and the present and history of our country. We should create stories that engage children's minds and inspire them to do good.